www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 274 नई दिल्ली, बुधवार , 29 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

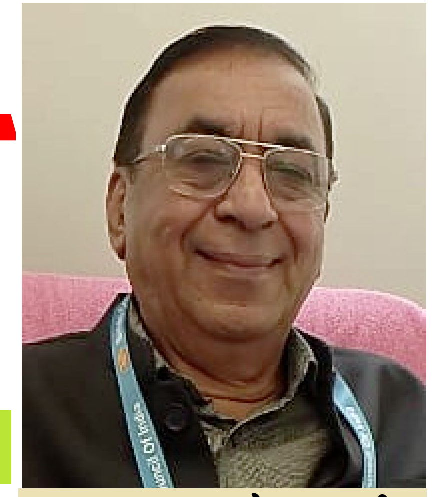

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

लोक परीक्षाओं में नकल पर शिकंजा और कसेगा, संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने लोक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनुचित साधनों पर बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर वर्ष 2024

प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इसका उद्देश्य वर्ष 2024 में लागू कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाना है, ताकि विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. सिंह ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं की घटनाएं किसी एक राज्य या सरकार तक सीमित नहीं रही हैं। उन्होंने रेलवे भर्ती बोर्ड, अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, एम्स, तमिलनाडु लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश बीएड प्रवेश परीक्षा तथा पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर वर्ष 2024 में व्यापक कानून बनाया गया था।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 का कानून संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाओं की परीक्षाओं पर लागू किया गया था। इसके तहत परीक्षा संबंधी अपराधों को संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य बनाया गया था। मंत्री ने कहा कि संशोधन विधेयक के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष तथा अधिकतम सजा दस वर्ष तक करने का प्रस्ताव है। जुमार्ने की अधिकतम राशि भी 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि संशोधन में सेवा प्रदाताओं की परिभाषा का विस्तार करते हुए परीक्षा आयोजन से जुड़े संस्थानों, कंपनियों, साझेदारी फर्मों, ठेकेदारों और तकनीकी सेवा प्रदाताओं को भी कानून के दायरे में लाया गया है। दोषी पाए जाने पर ऐसे सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम 5 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया जा सकेगा तथा परीक्षा संचालन से प्रतिबंध की अवधि चार वर्ष से बढ़ाकर आठ वर्ष करने का प्रस्ताव है। परीक्षा आयोजन पर हुए खर्च की वसूली भी संबंधित संस्था से की जाएगी। डॉ. सिंह ने कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को दंडित करना पर्याप्त नहीं है इसलिए कंपनियों और संस्थाओं के निदेशकों तथा वरिष्ठ प्रबंधन को भी जवाबदेह बनाया गया है। उनके लिए भी पांच से दस वर्ष तक के कारावास और 5 करोड़ रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। यदि किसी संगठित अपराध गिरोह या माफिया की संलिप्तता पाई जाती है तो जुमार्ना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी और उसके बाद तीन महीने के भीतर मुकदमे का निस्तारण करने का लक्ष्य रखा गया है। अपील केवल उच्च न्यायालय की द्वैधपीठ के समक्ष निर्धारित समय सीमा के भीतर ही की जा सकेगी। मंत्री ने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और लीक-प्रूफ बनाने के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय कार्यबल का गठन किया है, जिसमें नंदन नीलेकणि, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस. सोमनाथ, डीआईबी के पूर्व प्रमुख तपन डेका तथा आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी सहित शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन समिति की 46 प्रमुख सिफारिशों में से लगभग 35 पर अमल किया जा चुका है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से विद्यार्थियों के हित में इस महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक का समर्थन करने की अपील की।

पेपर लीक पर कांग्रेस रही उदासीन, मोदी सरकार ने बनाया सख्त कानूनः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 28 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक पेपर लीक की समस्या पर कोई प्रभावी कानून नहीं बनाया, जबकि मोदी सरकार ने 2024 में देश का पहला एंटी-चीटिंग कानून लागू किया और अब उसे और कठोर बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक और संगठित नकल देश के युवाओं के भविष्य पर हमला है तथा इससे सख्ती से निपटा जाएगा। संशोधित कानून में दोषियों के लिए कड़ी सजा, समयबद्ध जांच और परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

अनुराग ठाकुर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए मोदी सरकार ने मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया है।

केवल समिति बनाने से नहीं आएगा शिक्षा क्षेत्र में बदलावः प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए केवल नई-नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्ण कमेटी भी व्यवस्था में सुधार लाने के लिए बनी थी लेकिन आज तक उसकी एक सिफारिश लागू नहीं हुई है।

प्रियंका ने कहा कि सरकार को ठोस प्रयास करने चाहिए। संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने और राजनीति से काम नहीं चलेगा। जेन जी का भरोसा वापस जीतने के लिए सोच की दिशा बदलनी होगी। उन्होंने कहा, देश के नौजवान न्याय मांग रहे हैं, भीख नहीं। वे यहां सरकार गिराने नहीं अपना भरोसा बचाने के लिए आए थे। प्रियंका ने कहा कि सरकार को शिक्षा विशेषज्ञों को एक साथ लाना चाहिए। छात्रों, अध्यापकों, सभी स्टेक होल्डर्स को साथ लेकर अन्य विचारधाराओं के विशेषज्ञों के साथ गहरी चचाएं करवाकर एक नई शिक्षा प्रणाली तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मौजूदा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में 8 महीने तो एग्जाम चलते हैं। अध्यापकों को पढ़ाने का समय नहीं मिलता।

पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले छात्रों को रिहा करने का आदेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही, पात्र छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के निर्देश दिए

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच के लिए आगे चलकर स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल के गठन पर भी विचार किया जा सकता है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया, जहां प्रदर्शन हुए थे, कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा फुटेज, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर लॉग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए।

पीठ ने दिल्ली सरकार को दर्ज एफआईआर की जांच जारी रखने की अनुमति दी।

राज्यों से भी मांगा गया जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर जवाब तलब किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों के साथ-साथ प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के मामलों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि जिसने भी कानून अपने हाथ में लिया है या अपनी सीमा से बाहर जाकर कार्रवाई की है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए।

पीएम मोदी का वीडियो हटने पर मेटा ने माफी मांगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है।

पीओके में प्रदर्शन के दौरान हालात बेकाबू

सरकार की कार्रवाई में 20 से ज्यादा लोगों की जान गई

इस्लामाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के लॉन्ग मार्च के दौरान कम से कम 20 लोग मारे गए और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना इस इलाके में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी अधिकारियों की बढ़ती कार्रवाई के बीच हुई। मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डिटेल्स

शेयर करते हुए जेएएसी ने कहा, 'लॉन्ग मार्च का कारवां रावलकोट शहर पहुंच गया है। यह मार्च तब किया गया जब जेएएसी और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच बातचीत का कोई ऐसा नतीजा नहीं निकला जिसे दोनों पक्ष एक-दूसरे से स्वीकार करें।

पीओके में 'तथाकथित चुनाव' दिखावा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों को सिरे से खारिज किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध ठहराने और क्षेत्र में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने की एक कोशिश मात्र है।

भारी बारिश के चलते राजधानी दिल्ली में जगह-जगह जलभराव

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसी) राजधानी में मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। इससे जगह-जगह जलभराव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सदर बाजार और सबसे व्यस्त रहने वाले कनॉट प्लेस में इनर सर्कल व आउटर सर्कल में जलजमाव से आवाजाही करने वाले परेशान रहे। बाहरी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के कई स्थानों पर भी दिक्कतें हुईं। सदर बाजार और कनॉट प्लेस के व्यापारियों ने आवश्यक इंतजाम न होने पर विभाग और प्रशासन पर सवाल उठाए।

भारी बारिश से फैली अव्यवस्था पर विपक्षी दलों को हमला करने का मौका मिल गया है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों के कामकाज को लेकर हमला बोला है।

शर्मिला ने पैरा शॉट पुट में जीता स्वर्ण

ग्लासगो। शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की पहली पैरा एथलेटिक्स गोल्ड मेडलिस्ट बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। वहीं, उनकी साथी खिलाड़ी शिल्पा के. शायला ने महिलाओं के शॉट पुट एफ 57 इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। धनखड़ ने 9.81 मीटर का अपना सीजन-बेस्ट थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा एथलेटिक्स मेडल के लिए भारत के दो दशक लंबे इंतजार को खत्म किया।

दिल्ली में महिलाओं को रक्षा बंधन से हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। इस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होगी। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत एक अगस्त से की जाएगी, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। रक्षाबंधन 28 अगस्त को है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निदेर्शों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने

की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली लक्ष्मी योजना की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार ने जो संकल्प लिया था, आज उसे पूरा कर दिया गया है। इस योजना के तहत सभी पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी। दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के केवल सवा वर्ष के भीतर महिलाओं से किया गया यह महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। उन्होंने दिल्ली की सभी महिलाओं को इस ऐतिहासिक निर्णय पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और सदैव जनहित एवं महिला हित में कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, डॉ. पंकज सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जिम्मेदारी और महिलाओं के समग्र विकास को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना के तहत बच्चों का स्कूल में नामांकन, अपार आईडी, आभा आईडी, समय पर टीकाकरण और पोषण ट्रैकर पर पंजीकरण जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। महिलाओं को ह्यएक पेड़ मां के नामह्व, स्वच्छ भारत अभियान तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने जैसे जनहित अभियानों से भी जोड़ा जाएगा। साथ ही उन्हें स्वयं सहायता समूहों और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे आर्थिक रूप से और अधिक सक्षम बन सकें। कुछ श्रेणियों की महिलाएं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी।

इनमें पहले से किसी अन्य आर्थिक सहायता योजना या पेंशन प्राप्तकर्ता महिलाएं, आयकर देने वाली महिलाएं, जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वाली महिलाएं, सरकारी कर्मचारी, तीन से अधिक जीवित बच्चों की माताएं, ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक बिजली खपत 2,400 यूनिट से अधिक है, ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य राज्य सरकार, भारत सरकार, सार्वजनिक उपक्रम अथवा किसी सरकारी संगठन में कार्यरत हो या जिनके पास चार पहिया वाहन हो तथा आपराधिक रिकॉर्ड रखने वाली महिलाएं शामिल हैं।

डिजिटल अरेस्ट को अलग अपराध की श्रेणी में रखा जाए, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को सुझाव

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि केंद्र सरकार आपराधिक कानूनों में डिजिटल अरेस्ट के अपराध को परिभाषित करके इसे एक अलग अपराध की श्रेणी में रखे, जिसमें कड़े दंड का प्रावधान हो। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई करते हुए ये सुझाव दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एक बार पुख्ता साक्ष्य के आधार पर किसी आरोपित के खिलाफ प्रथम द्दष्टया आरोप बने, तो उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि अंतर-मंत्रालयी कमेटी इस पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है, ताकि सिस्टम की खामियों को दूर किया

जा सके। सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा कि अब डीपफेक हमारे लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार डीपफेक और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों से निपटने के लिए कानून लाने पर काम कर रही है। उच्चतम न्यायालय ने 17 अक्टूबर, 2025 को डिजिटल अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट करने के लिए उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय के आदेशों और जजों के हस्ताक्षर की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है। उच्चतम न्यायालय ने अंबाला के एक बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे एक करोड़ रुपये से ज्यादा की उगाही करने की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया था। बुजुर्ग दंपति ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई को पत्र लिखकर इस जालसाजी के बारे में बताया था।

संसद के बाहर भाजपा सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। पंजाब में कथित पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा सांसदों का आरोप है कि पंजाब में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

केंद्र सरकार ने चीनी की स्टॉक लिमिट तय की, नये नियम 1 अगस्त से लागू होंगे

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा सख्त कदम उठाया है। सरकार ने बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चीनी कारोबारियों के लिए नई स्टॉक रखने की सीमा लागू किया है। सरकार के नए आदेश के तहत अब कोई भी चीनी डीलर 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। ये नियम 1 अगस्त से 30 नवंबर तक लागू रहेगा।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और सरकारी चीनी भंडार को इस नई स्टॉक सीमा से छूट दी गई है। केंद्र सरकार ने निर्देश दिया कि कोई भी चीनी डीलर 30 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक या भंडार न रखे। साथ ही चीनी की कीमतों को काबू में रखने की कोशिशों के तहत चार हजार क्विंटल की स्टॉक सीमा तय की गई है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार सभी चीनी डीलरों को खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए हर हफ्ते अपने चीनी स्टॉक की जानकारी देनी होगी और स्टॉक की स्थिति को अपडेट करना होगा। इसके अलावा केंद्र सरकार ने राज्यों को भी अधिकार दिया है कि अगर जरूरी हो तो वे केंद्र की ओर से तय सीमा से कम स्टॉक लिमिट लागू कर सकते हैं। इस कदम का मकसद बाजार में चीनी की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना, जमाखोरी पर अंकुश लगाना और कीमतों को कंट्रोल रखने में मदद करना है।

संक्षिप्त समाचार

एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले दो आरोपित 12 घंटे में गिरफ्तार, गैंगस्टर नवीन बाली-नीरज बवाना के नाम पर दी थी धमकी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। पश्चिमी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ ने हरिनगर के एक कारोबारी से एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले का महज 12 घंटे में पदार्फाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने खुद को कुख्यात नवीन बाली-नीरज बवाना गैंग का सदस्य बताकर कारोबारी को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने उनके कब्जे से रंगदारी कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया है। पश्चिम पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई को हरिनगर निवासी बृजेंद्र, जो ब्रांडेड डिटर्जेंट पाउडर के डिस्ट्रीब्यूटर हैं, ने शिकायत दी कि रात करीब 9:27 बजे उन्हें व्हाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को नवीन बाली-नीरज बवाना गैंग का सदस्य बताते हुए 27 जुलाई की शाम तक 1 करोड़ देने की मांग की। रकम नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के निर्देशन में स्पेशल स्टाफ की टीम ने तकनीकी विश्लेषण, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर मोहान गार्डन से 28 वर्षीय मोहम्मद मोनिश और 23 वर्षीय मोहम्मद असद को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि मोनिश पहले शिकायतकर्ता के यहां काम कर चुका था और उसे कारोबारी की आर्थिक स्थिति व कारोबार की पूरी जानकारी थी। इसी जानकारी का फायदा उठाकर उसने अपने साथी असद के साथ मिलकर रंगदारी वसूलने की साजिश रची। वारदात से तीन दिन पहले दोनों ने करोल बाग के गफ्फार मार्केट से नया मोबाइल और सिम कार्ड खरीदा था, ताकि उसी का इस्तेमाल कर धमकी दी जा सके। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सोशल मीडिया और यूट्यूब पर नवीन बाली और नीरज बवाना से जुड़े वीडियो देखते थे और उनकी आपराधिक छवि से प्रभावित होकर उन्हीं के नाम का इस्तेमाल कर कारोबारी को डराना चाहते थे। पुलिस अब आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड, डिजिटल गतिविधियों, वित्तीय लेनदेन और अन्य मामलों में संभावित संलिप्तता की जांच कर रही है।

ऑपरेशन चक्र में पश्चिमी जिला पुलिस का बड़ा एक्शन, 72 घंटे में 116 चोरी के वाहन बरामद, 25 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। पश्चिमी जिला पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले संगठित गिरोहों के खिलाफ चलाए गए 72 घंटे के विशेष अभियान ऑपरेशन चक्र में बड़ी सफलता हासिल की है। इस दौरान 25 वाहन चोरों गिरफ्तार किए गए और 116 चोरी के वाहन बरामद किए गए। बरामद वाहनों में 113 दोपहिया, दो तिपहिया और एक चारपहिया वाहन शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से वाहन चोरी के 116 मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस), सभी थाना पुलिस, स्पेशल स्टाफ और नारकोटिक्स यूनिट ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अभियान के दौरान तकनीकी निगरानी, खुफिया सूचना, संदिग्ध वाहनों की जांच, नाकाबंदी, परित्यक्त वाहनों का सत्यापन और लगातार गश्त की गई। पुलिस के अनुसार, बरामद 116 वाहनों में 46 वाहन पश्चिमी जिले से चोरी हुए थे, जबकि 70 वाहन दिल्ली के अन्य जिलों से चोरी किए गए थे। अभियान के दौरान हिस्ट्रीशीटर, जिला बदर अपराधी और कई आदतन वाहन चोरों को भी गिरफ्तार किया गया, जिनमें से कई पहले भी अनेक आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। यूनिट वार कार्रवाई में एएटीएस ने सबसे अधिक 16 वाहन बरामद किए। इसके अलावा स्पेशल स्टाफ ने 10, नारायणा और राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने आठ-आठ, तिलक नगर और पंजाबी बाग थाना पुलिस ने 12-12, विकासपुरी और ख्याला थाना पुलिस ने 10-10 वाहन बरामद किए। मायापुरी, इंदरपुरी, कीर्ति नगर, हरिनगर, जनकपुरी, मोती नगर और अन्य थाना पुलिस ने भी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन चक्र के तहत वाहन चोरी के हॉटस्पॉट की मैपिंग, संदिग्ध गतिविधियों पर तकनीकी निगरानी, चोरी के वाहन खरीदने वालों पर छापेमारी, मुखबिर तंत्र का व्यापक इस्तेमाल और विभिन्न पुलिस इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्रवाई की गई। पश्चिमी जिला पुलिस का कहना है कि यह अभियान संगठित वाहन चोरी गिरोहों के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में बड़ी सफलता है और भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

बड़े कांवड़ शिविरों को 15 लाख रुपये और 1,200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने मंगलवार को कांवड़ यात्रा के लिए कांवड़ समितियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या, उन्हें पर्याप्त सुविधा देने और शिविरों के संचालन पर बढ़ते खर्च को देखते हुए सरकार ने सभी श्रेणियों के कांवड़ शिविरों की अनुदान राशि में वृद्धि का निर्णय लिया है।

साथ ही कांवड़ समितियों को पहले की तरह 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा भी मिलती रहेगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, 20,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में 6 से 12 दिन तक संचालित होने वाले बड़े कांवड़ शिविरों को अब अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी, जबकि अन्य सभी श्रेणियों के शिविरों की अनुदान राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य कांवड़ समितियों को पर्याप्त सहयोग देकर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर, सुरक्षित और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है। बढ़ती महंगाई और यात्रा के विस्तार को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, सिंगल विंडो व्यवस्था, सफाई, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, मोबाइल शौचालय, निर्बाध बिजली आपूर्ति, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की व्यवस्थाएं पहले की तरह जारी रहेंगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जंतर-मंतर पर पुलिस निगरानी मामलाः हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को नई याचिका दायर करने की दी सलाह

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की लगातार पुलिस कैमरे से निगरानी को चुनौती देने वाली नयी याचिका दाखिल करने की सलाह दी है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर और डाटा प्रोटेक्शन एक्ट की पड़ताल कर नयी याचिका दाखिल करनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी। मंगलवार को जब मामले को सुनवाई के लिए पुकारा गया, तो याचिकाकर्ता की ओर से सुनवाई टालने की मांग की गई।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि इस मामले में दलीलें रखने के लिए वरिष्ठ वकील नंदिता राव किसी दूसरी कोर्ट में व्यस्त हैं। इस पर एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि इससे जुड़े दूसरे मामलों पर 11 सितंबर को सुनवाई होनी है। तब कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को हमने सुझाव दिया था कि वो एक बेहतर याचिका दाखिल करें।सुनवाई के दौरान 27 जुलाई को केंद्र की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा था कि अब विरोध प्रदर्शन खत्म हो गया है और कोई निगरानी नहीं हो रही है, इसलिए याचिका पर सुनवाई का अब कोई मतलब नहीं है। तब याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नंदिता राव ने कहा था कि हमारी मांग अभी कायम है और वो निगरानी को गैरकानूनी घोषित करने की मांग कर रही हैं। तब कोर्ट ने कहा था कि आप बेहतर याचिका दायर कीजिए और दिशा-निर्देश की मांग कीजिए। अगर सरकार के पास कोई मेकानिज्म होगा तो वे बताएंगे और हम आदेश जारी करेंगे।

इसके पहले केंद्र सरकार ने निगरानी का बचाव करते हुए कहा था कि सार्वजनिक स्थानों पर निजता की मांग हास्यास्पद है। तब याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि निजता के अधिकार सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के दौरान भी हैं।

याचिका जेएनयू छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष आइशी घोष ने दायर की है। याचिका में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में जुटे प्रदर्शनकारियों की लगातार पुलिस कैमरे से निगरानी को चुनौती दी गई। वकील सुभाष चंद्रन और अनिरुद्ध केपी के जरिये दायर याचिका में कहा गया कि दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों पर स्थायी सर्विलांस कैमरे से लगातार नजर रख रही थी।

याचिका में कहा गया कि दिल्ली पुलिस ने महिला प्रदर्शनकारियों के वीडियो उस हालत में भी बनाए, जब भारी बारिश के दौरान वे भींगी हुई थीं और जंतर-मंतर पर छिपने की कोई जगह नहीं थी। ऐसा करना शारीरिक निजता और गरिमा का घोर उल्लंघन है। याचिका में कहा गया कि दिल्ली पुलिस से बार-बार ये पूछा गया कि लगातार नजर रखने का अधिकार किसने दिया या किस कानूनी प्रावधान से वे ऐसा कर रहे हैं तो उसका कोई जवाब नहीं दिया गया।

याचिका में निजता के अधिकार पर जस्टिस केएस पुट्टास्वामी के उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र किया गया है। याचिका में कहा गया है कि ऐसा कर दिल्ली पुलिस संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन कर रही है।

सराय काले खां लूप पर जाम से मुक्ति दिलाने को एनएचएआई ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली-एनसीआर में यातायात को सुगम बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एनएच-148एनए के डीएनडी-सोहना खंड पर स्थित सराय काले खां लूप को भीड़भाड़ मुक्त करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार सराय काले खां दिल्ली के सबसे व्यस्त परिवहन केंद्रों में से एक है। यह लूप आश्रम, नोएडा और सराय काले खां से आने वाले ट्रैफिक

के लिए एक प्रमुख मिलन बिंदु है। डीएनडी-सोहना राष्ट्रीय राजमार्ग कॉरिडोर के चालू होने के बाद यहां वाहनों का दबाव और बढ़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए एनएचएआई प्राथमिकता के आधार पर इसका दीर्घकालिक इंजीनियरिंग समाधान तलाशेगा। डीपीआर में जंक्शन की क्षमता बढ़ाने, सुरक्षा उपाय पुख्ता करने और यात्रा के समय में कटौती करने के लिए अवसंरचनात्मक बदलावों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डीएनडी-सोहना कॉरिडोर शुरू होने पर सराय काले खां इंटरचेंज पर यातायात बिना किसी बाधा के निकल सके। इसके अलावा, बढ़ते यातायात प्रबंधन और इंजीनियरिंग समाधानों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा। एनएचएआई के मुताबिक इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना, सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यात्रा अनुभव को सुखद बनाना और भारी ट्रैफिक का स्थायी समाधान प्रदान करना है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में नवागंतुक छात्रों के लिए छात्र-अभिभावक परामर्श कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 28 जुलाई (राम पाठक/दिव्य भारत)। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में नवप्रवेशी छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए छात्र-अभिभावक परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और पाठ्यक्रम संयोजकों ने छात्रों को पाठ्यक्रम, करियर संभावनाओं तथा शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. तुष्टि भारद्वाज तथा सह-संयोजन प्रो. अनीता श्रीवास्तव ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान में अनुभवी एवं समर्पित शिक्षक छात्रों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ रोजगारोन्मुख कौशल और व्यक्तित्व विकास के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र देश के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से एनसीसी, एनएसएस, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया और अभिभावकों से बच्चों को इन गतिविधियों के लिए प्रेरित करने तथा महाविद्यालय से नियमित संपर्क बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में छात्रों और अभिभावकों की सुविधा के लिए अलग-अलग विभागों में परामर्श सत्र आयोजित किए गए। विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों को कक्षा समय-सारणी, पाठ्यक्रम संरचना, जेनेरिक इलेक्टिव, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स और वैल्यू एडेड कोर्स के चयन की प्रक्रिया से अवगत कराया। साथ ही उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन, परीक्षा प्रणाली एवं विश्वविद्यालय के अन्य शैक्षणिक नियमों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों और अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. तुष्टि भारद्वाज ने महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से संस्थान की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परामर्श कार्यक्रम अगले दिन आयोजित किया जाएगा।

नरेला में नकली दवाओं का बड़ा रैकेट पकड़ा गया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने हरियाणा के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के साथ मिलकर दिल्ली के नरेला में दो दिनों तक एक बड़ा एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया। इस दौरान एक रिहायशी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में चल रहे अवैध ड्रग्स बनाने और उनका स्टॉक करने वाले से जुड़े एक बड़े रैकेट का पदार्फाश किया गया।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस अभियान के दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध नकली दवाएं, एनाबॉलिक स्टेरॉयड, केमिकल रॉ मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग उपकरण, पैकेजिंग मटीरियल और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए। यह कार्रवाई खास खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी, जिसमें उस जगह से नकली दवाओं और अवैध दवाओं की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली थी। अभियान के पहले दिन जॉइंट एनफोर्समेंट टीम ने एक रिहायशी अपार्टमेंट के अंदर बिना लाइसेंस के चल रहे मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग सेटअप का खुलासा किया। अधिकारियों ने मौके से सीलिंग मशीनें, हाथ से चलने वाले सील क्रिम्पिंग डिवाइस, हीट गन, इलेक्ट्रिक स्टिरर, सटीक वजन करने वाली मशीनें, इंडस्ट्रियल फिल्टर पेपर, ग्लास के बीकर, रबर क्लोजर और फ्लिप-ऑफ कैप बरामद किए।

इसके अलावा टीम ने बड़ी संख्या में बिना लेबल वाली खुली गोलियां, जिनके टोफैसिटिनिब होने का शक है, एनाबॉलिक स्टेरॉयड की लिक्विड शीशियां (जिनमें बोल्डनोन, मास्टरोन और टेस्टोस्टेरोन विभिन्न प्रकार शामिल हैं) और दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई तरह के केमिकल सॉल्यूशन भी जब्त किए।

निरीक्षण के दौरान परिसर में मौजूद व्यक्ति ने अधिकारियों को बताया कि यह अपार्टमेंट एलोपैथिक दवाओं के स्टॉक और पैकेजिंग के लिए किराए पर लिया गया था। उसने दावा किया कि यह काम अन्य लोगों द्वारा किया जा रहा था, जिसका कथित तौर पर सोनीपत की एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से संबंध था। हालांकि, जांच टीम के सामने कोई वैध ड्रग लाइसेंस, खरीद का रिकॉर्ड या स्टॉक रजिस्टर पेश नहीं किया जा सका।

जांच के दौरान मिली नई जानकारी के आधार पर अधिकारियों ने दूसरे दिन अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स का दोबारा दौरा किया और इमारत के कॉमन यूटिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर की गहनता से तलाशी ली। इस तलाशी में भी कई मंजिलों पर इलेक्ट्रिक यूटिलिटी शाफ्टों के अंदर छिपाकर रखी गई अतिरिक्त खेप बरामद की गई। बरामद सामग्री में प्रोजेस्टेरोन, ऑक्सैंड्रोलोन, मेस्टेरोलोन और ट्रेंबोलोन एनंथेट जैसे बड़ी मात्रा में स्टेरॉयड हार्मोन पाउडर, टेस्ट-सी और डीईसीए-400 लेबल वाले और मेड इन जर्मनी मार्किंग वाले 1500 से अधिक तैयार स्टेरॉयड इंजेक्शन वायल, 5000 से अधिक अलग-अलग रंग की गोलियां, 5000 से अधिक खाली कांच और एम्बर वायल, लगभग 2500 बाहरी पैकेजिंग बॉक्स, हजारों फ्लिप-ऑफ कैप के साथ अवैध गतिविधि से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल हैं। जब्त किए गए स्टॉक को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कस्टडी में लिया गया, जबकि लैब में जांच के लिए कानूनी सैंपल एकत्र किए गए। शुरूआती जांच से पता चलता है कि बिना वैध लाइसेंस के दवाओं के गैर-कानूनी निर्माण, स्टॉक और वितरण से जुड़े ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धाराओं का प्रथम दृष्टया उल्लंघन हुआ है।

डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। नकली और घटिया दवाएं जन-स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं और इनके निर्माण या वितरण में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस गैर-कानूनी नेटवर्क का पदार्फाश करने में बेहतरीन तालमेल और पेशेवर रवैया दिखाने के लिए दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट, एफडीए हरियाणा और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस गैर-कानूनी काम में शामिल पूरे नेटवर्क का पता लगाने, जब्त दवाओं के स्रोत और वितरण चेन का पता लगाने और फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली विधानसभा का मॉनसून सत्र 7 से 11 अगस्त तक

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा का मॉनसून सत्र 07 से 11 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस सत्र के दौरान दिल्ली के विकास और जनोपयोगी योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा की जाएगी। सरकार जनहित सर्वोपरि रखते हुए आवश्यक निर्णय लेने और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य में चार सौ से ज्यादा छात्रों किया पौधरोपण

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर दिल्ली सरकार द्वारा असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में दिल्ली के पांच स्कूलों के 430 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राजधानी के हरित क्षेत्र का विस्तार करने तथा नई पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पौधरोपण किया। छात्र-छात्राओं के उत्साहपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली के हरित भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे पर्यावरण संरक्षण के सच्चे दूत हैं और अपने परिवारों तथा समाज को स्वच्छ, हरित एवं विश्वस्तरीय दिल्ली के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से दिल्ली सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ, हरित एवं पर्यावरणीय रूप से अधिक सशक्त राजधानी के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। यह वृक्षारोपण अभियान दिल्ली सरकार के उस वर्षभर चलने वाले अभियान का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत इस वर्ष पूरी राजधानी में 70 लाख पौधे एवं वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम से प्रेरित है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ माताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश भी देता है। सिरसा ने कहा कि इस वर्ष 70 लाख पौधे एवं वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिल्ली सरकार की पर्यावरण संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें न्यायपालिका, 70 से अधिक देशों के राजनयिक, शैक्षणिक संस्थान, धार्मिक संगठन तथा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिक उत्साहपूर्वक भागीदारी कर रहे हैं।

शिक्षकों को बीएलओ बनाया जा सकता है लेकिन उन पर अनावश्यक दबाव न होः हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान निर्वाचन आयोग स्कूलों के शिक्षकों को बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) के रुप में तैनात कर सकता है लेकिन इससे शिक्षकों के ऊपर अनावश्यक तनाव नहीं होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने मंगलवार को ये टिप्पणी की। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान स्कूलों के शिक्षकों की तैनाती करते समय शिक्षा के अधिकार कानून के प्रावधानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सेंट मेरीज स्कूल के मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के मुताबिक वो किसी भी शिक्षक को स्कूल के टाइम में उनकी कोई सेवा नहीं लेगा।

निर्वाचन आयोग के इस दावे का याचिकाकर्ता ने विरोध करते हुए कहा कि आयोग ने ये सर्कुलर तब निकाला जब उनकी याचिका उच्च न्यायालय में दाखिल की गई। इसका मतलब है कि याचिका दायर करने के पहले निर्वाचन आयोग सेंट मेरीज स्कूल के फैसले का पालन नहीं कर रहा था। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्कूल के शिक्षकों को विरोधाभासी निर्देश मिल रहे हैं। स्कूल के प्रिंसिपल कुछ और निर्देश देते हैं और निर्वाचन अधिकारी कुछ अलग निर्देश देते हैं।

इसके पहले सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग के फैसले पर सवाल खड़ा किया था। वकील अशोक अग्रवाल और राजेश कुमार गोगना की ओर से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग के आदेश के बाद दिल्ली के सरकारी स्कूलों, दिल्ली नगर निगम के स्कूलों और वित्त पोषित स्कूलों के शिक्षकों को बड़े पैमाने पर बीएलओ के रुप में तैनात किया गया है। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है जबकि निजी स्कूलों में शिक्षण कार्य ठीक से चल रहा है।

याचिका में कहा गया है कि स्कूलों में शिक्षण कार्य प्रभावित होना बच्चों के शिक्षा पाने के संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 21ए के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन है।

दिल्ली में 650 करोड़ के कथित दवा घोटाले की अहम फाइलें गायब

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर 650 करोड़ रुपये के कथित स्वास्थ्य घोटाले से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें गायब होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दवाइयों, बेडशीट, ओआरएस, एक्स-रे मशीनों और अन्य चिकित्सा उपकरणों की खरीद से संबंधित टेंडर, सप्लाई ऑर्डर, वर्क ऑर्डर और वितरण का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। भारद्वाज ने मंगलवार को एक बयान में दावा किया कि दिल्ली सरकार के दफ्तरों में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था रहती है। ऐसे में फाइलों का गायब होना गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पूछा कि ये फाइलें आखिर कैसे गायब हो गईं। आआपा नेता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य उपकरणों और सामग्री की खरीद में भारी अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि 10झ11 लाख रुपये की एक्स-रे मशीनें 30झ32 लाख रुपये में खरीदी गईं, 50 लाख ओआरएस पैकेट ऊंची कीमतों पर खरीदे गए, 16 लाख से अधिक बेडशीट करीब 75 करोड़ रुपये में खरीदी गईं और 100 करोड़ रुपये की दवाइयों की खरीद 400 करोड़ रुपये में की गई।

भविष्यफल

मेष- बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

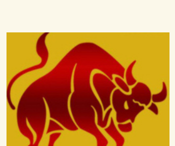

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

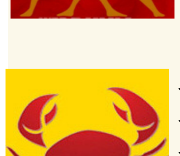

कर्क- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

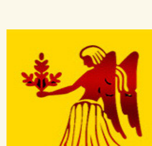

कन्या- अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-1-2-7

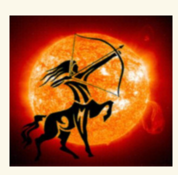

धनु- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

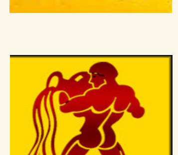

कुंभ- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, इमारतें ढहीं, सड़कें फटीं, मलबे में लोगों की तलाश जारी

कई इलाकों में तबाही के निशान, मॉल का हिस्सा गिरा, आग लगी, बिजली गुल और परिवहन सेवाएं प्रभावित

● टोक्यो / (एजेंसी)

दक्षिणी जापान में आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी है। कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, सडक़ें टूट गईं और पुलों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका जताई है। कुमामोटो प्रांत के काशिमा टाउन स्थित एयॉन शॉपिंग सेंटर की दूसरी मंजिल ढह गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग डर के कारण भागते और जमीन पर झुककर खुद को बचाते नजर आए।

मॉल के मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार बचाव अभियान जारी है। भूकंप के बाद कई जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आईं। सोशल मीडिया वीडियो में इमारतों से धुआं उठता दिखाई दिया, जबकि दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे रहे। यात्सुशिरो शहर में एक पुल का हिस्सा नदी में गिर गया। कई जगह सडक़ों में बड़ी दरारें पड़ गईं। क्यूशू एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्सों को भी भारी नुकसान पहुंचा। यात्सुशिरो स्टेशन पर मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे सेवाएं रोक दी गईं और कई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। भूकंप के समय कॉस्टको सुपरमार्केट में मौजूद लोग डर के कारण बाहर भागते दिखे। वीडियो में सामान की रैक गिरती हुई और लोग बचने की कोशिश करते नजर आए। एयॉन मॉल और कई अन्य इमारतों की बाहरी दीवारों को नुकसान पहुंचा। ऐतिहासिक कुमामोटो कैसल की पत्थर की दीवारों का हिस्सा भी गिर गया।

डेढ़ लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश

जापानी प्रशासन ने कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइटा और मियाजाकी प्रांतों में आपात चेतावनी जारी की। करीब 1.5 लाख लोगों को राहत केंद्रों में जाने के निर्देश दिए गए। तटीय इलाकों के लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे करीब दो घंटे बाद वापस ले लिया गया। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि कई इलाकों में घायल लोग, क्षतिग्रस्त इमारतें, आग और बिजली कटौती की खबरें मिली हैं। एक अस्पताल में 50 से अधिक घायलों के पहुंचने की सूचना है। बुलेट ट्रेन में मौजूद कुछ यात्रियों के घायल होने की भी खबर है। दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनियों में शामिल टीएसएमसी ने एहतियात के तौर पर अपने कर्मचारियों को प्लांट से बाहर निकाला। सोनी और फुजीफिल्म ने भी अपने कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा। परमाणु संयंत्रों में किसी तरह की असामान्यता की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, करीब 45 हजार घरों और संस्थानों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।

जापान में भूकंप आम, लेकिन खतरा बड़ा: जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में शामिल है। यह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है और यहां हर साल सैकड़ों छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। 2011 में आए 9.0 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप और सुनामी में करीब 18,500 लोगों की मौत हुई थी या वे लापता हुए थे। इस हादसे में फुकुशिमा परमाणु संयंत्र भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था। कुमामोटो क्षेत्र इससे पहले 2016 में भी बड़े भूकंप की मार झेल चुका है, जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और हजारों घर क्षतिग्रस्त हुए थे।

► नेतन्याहू पर भी बरसे, कहा-सार्वजनिक बयान देने के बजाय सीधे मुझसे बात करें

ट्रंप की ईरान को चेतावनी- समझौता नहीं हुआ तो पहाड़ में छिपी परमाणु साइट को करेंगे नष्ट

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर तेहरान समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ तो पहाड़ के अंदर छिपी उसकी परमाणु सुविधा को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने मंगलवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी नाराजगी जताई। नेतन्याहू ने कहा था कि वह ट्रंप को सबूत दिखाएंगे कि ईरान अब भी एक गुप्त ठिकाने पर परमाणु गतिविधियां जारी रखे हुए है। ट्रंप ने कहा, मुझे यह बताने के लिए बीबी (नेतन्याहू) की जरूरत नहीं है। वह ऐसा इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि वह चाहते हैं कि मैं इस मामले में शामिल रहूं। उन्होंने नेतन्याहू को सार्वजनिक रूप से शिकायत करने के बजाय सीधे उनसे बात करने की सलाह दी।

ट्रंप ने कहा, अगर आपको कोई बात कहनी थी तो मुझे निजी तौर पर बता सकते थे, दुनिया के सामने घोषणा करने की जरूरत क्यों थी? ट्रंप ने ईरान की गुप्त परमाणु सुविधा पिकैक्स माउंटेन को लेकर कहा कि अगर कोई समझौता नहीं होता तो इसे भी नष्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि पिकैक्स में क्या हो रहा है। यह बड़ी समस्या नहीं है। हमने उनकी परमाणु साइट को निशाना बनाया था और अगर समझौता नहीं हुआ तो पिकैक्स को भी खत्म करना पड़ेगा। पिकैक्स माउंटेन, जिसे फारसी में कुह-ए-कोलंग गाज ला कहा जाता है, ईरान का एक भूमिगत सुरंग परिसर है, जिसे नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र के पास पहाड़ के अंदर बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सुविधा इतनी गहराई में है कि अमेरिका के सबसे शक्तिशाली बंकर-भेदी हथियारों से भी इसे निशाना बनाना मुश्किल हो सकता है।

नेतन्याहू ला रहे हैं खुफिया जानकारी

नेतन्याहू वाशिंगटन में सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे हैं। इजरायल का दावा है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद वहां परमाणु गतिविधियां तेज हुईं। ईरान ने इस तरह की किसी भी परमाणु सुविधा के अस्तित्व से इनकार किया है।

ईरान-अमेरिका तनाव बढ़ा

ट्रंप का कहना है कि पिछली कार्रवाई के दौरान इस साइट को इसलिए निशाना नहीं बनाया गया क्योंकि ईरान के परमाणु इस्तेमाल के पर्याप्त सबूत नहीं थे। हालांकि उन्होंने हाल में कहा था कि ईरान संभवत: वहां सेंट्रीफ्यूज पहुंचा सकता है, लेकिन यूरेनियम के बिना इसका कोई बड़ा फायदा नहीं होगा। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव उस समय और बढ़ गया जब संघर्ष विराम टूटने के बाद दोबारा हमले शुरू हुए। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने फारस की खाड़ी में जहाजों की आवाजाही प्रभावित की। इस दौरान तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं और वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ गई। ट्रंप ने अमेरिकी सेनाओं को ईरान से जुड़े तेल टैंकरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे और चेतावनी दी थी कि अमेरिकी जहाजों पर हमले की स्थिति में ईरान के ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। जवाब में ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम चार अमेरिकी सैनिकों की मौत की खबर है।

ट्रंप की जेलेंस्की और नेतन्याहू से हुई मुलाकात, सकारात्मक रही दोनों बैठक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अलग-अलग मुलाकात की। व्हाइट हाउस ने दोनों बैठकों को सकारात्मक और उपयोगी बताया। करीब 90 मिनट चली ट्रंप-नेतन्याहू बैठक में चर्चा के मुद्दों का खुलासा नहीं किया गया। वहीं, जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप के साथ पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, रक्षा सहयोग और यूक्रेन से जुड़े कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने पर अहम चर्चा हुई। दोनों देशों की टीमें आगे समन्वय बनाए रखेंगी।

होर्मुज पर ओमान का नया प्रस्ताव

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच ओमान ने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन के लिए नया प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव में इस समुद्री मार्ग का नियंत्रण केवल ईरान के बजाय खाड़ी देशों की साझी व्यवस्था के तहत संचालित करने की बात कही गई है।

नेतन्याहू की गिरफ्तारी पर बदले ममदानी के सुर

न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की संभावित न्यूयॉर्क यात्रा और उनकी गिरफ्तारी के सवाल पर नरम रुख अपनाया है। ममदानी ने कहा कि उनकी किसी तरह की बयानबाजी या आरोप-प्रत्यारोप में कोई दिलचस्पी नहीं है। मीडिया से बातचीत में ममदानी ने कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ बयानबाजी या आरोप-प्रत्यारोप में पडने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने नेतन्याहू की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने से भी इनकार कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से जुड़े अपने पुराने बयान पर चर्चा की है, तो ममदानी ने कहा कि वह राष्ट्रपति के साथ हुई बातचीत को सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता न्यूयॉर्क के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दरअसल, नेतन्याहू ने हाल ही में कहा था कि वह सितंबर के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इसके बाद उन्होंने ममदानी पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस इतिहास को तोड़-मरोड़कर राजनीतिक प्रचार कर रही : विहिप

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कांग्रेस पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर राजनीतिक प्रचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी राजनीतिक प्रवृत्ति रही है कि वह राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर तथ्यों के बजाय दुष्प्रचार का सहारा लेती है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में विनोद बंसल ने कांग्रेस नेता

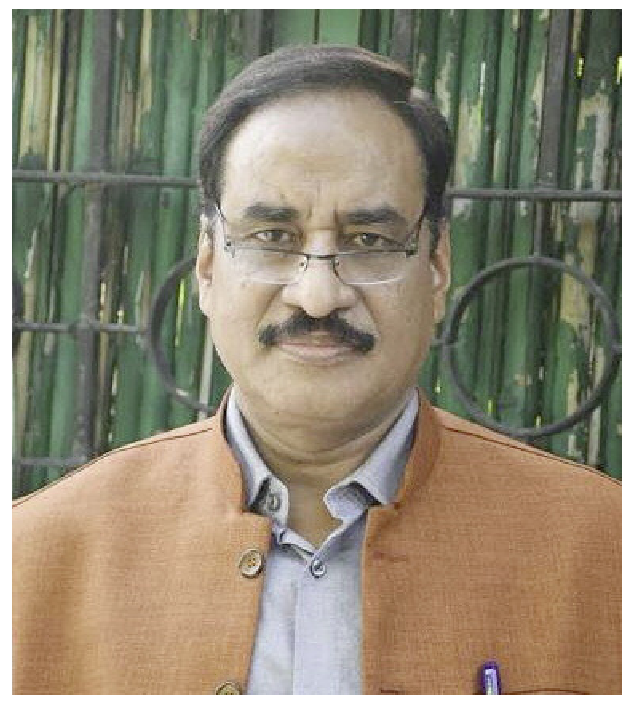

प्रियंक खड़गे के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी पर झूठे आरोप लगाने से इतिहास नहीं बदला जा सकता। उन्होंने कहा कि तथ्यों से परे दिए गए बयान केवल राजनीतिक पूर्वाग्रह को दशार्ते हैं और असत्य को बार-बार दोहराने से वह सत्य नहीं बन जाता।

विहिप प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा झूठ, अधूरे तथ्यों और राजनीतिक दुष्प्रचार को अपनी राजनीति का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान को कमजोर किया तथा तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया, वही आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को संविधान और तिरंगे का पाठ पढ़ाने का प्रयास कर रही है।

विनोद बंसल ने कहा कि कांग्रेस जब वर्तमान मुद्दों पर जवाब देने में असफल होती है, तब वह राष्ट्रभक्त संगठनों पर मिथ्या आरोप लगाने लगती है। उन्होंने दावा किया कि देश अब इतिहास की कथित विकृति और दुष्प्रचार की राजनीति को अच्छी तरह समझ चुका है। उन्होंने अपने बयान के अंत में कांग्रेस नेतृत्व से इतिहास का चयनात्मक पाठ करने के बजाय आत्ममंथन करने की सलाह दी।

आज का इतिहास

- **1567:** स्कॉटलैंड के राजा के रूप में जेम्स षष्ठम का राज्याभिषेक हुआ।
- **1899:** न्यूयॉर्क में पहली बार प्रथम हेग शांति सम्मेलन के समझौते को लागू किया गया।
- **1921:** जर्मनी के नेता (एजेंसी) पार्टी के अध्यक्ष बने।
- **1941:** जापानी सेना ने फ्रेंच इंडोचाइना (वर्तमान वियतनाम, लाओस और कंबोडिया) पर कब्जा किया।
- **1957:** अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की स्थापना हुई।
- **1980:** मॉस्को ओलंपिक में भारत की पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर स्वर्ण पदक जीता।
- **1987:** तत्कालीन पीएम राजीव गांधी व श्रीलंका के राष्ट्रपति जे. आर. जयवर्धने के बीच भारत-श्रीलंका शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
- **1996:** चीन ने अपना पहला परमाणु परीक्षण प्रतिबंधित करने की घोषणा की।
- **2005:** अंतरराष्ट्रीय खगोलविदों ने एरिस नामक बौने ग्रह की खोज की घोषणा की।
- **2021:** टोक्यो ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए पदक पक्का किया।
- **1883:** बेनीटो मुसोलिनी, इटली के पूर्व तानाशाह का जन्मदिन।
- **1904:** जे. आर. डी. टाटा, भारतीय उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष का जन्मदिन।
- **1987:** जेनेसिस रोड्रिगेज, अमेरिकी अभिनेत्री का जन्मदिन।
- **29 जुलाई को** अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में बाघों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने का संदेश देना है।

1964 के बाद फ्लोरिडा में पहली बार एक दिन में दो दोषियों को मृत्युदंड

नई दिल्ली, आरएनएन। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में 1964 के बाद पहली बार एक ही दिन में दो दोषियों को मृत्युदंड दिया गया। फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में पहले 68 वर्षीय पूर्व पुलिसकर्मी जेम्स एरेन डकेट को लेथल इंजेक्शन देकर मौत की सजा दी गई। डकेट को 1987 में 11 वर्षीय बच्ची की हत्या का दोषी ठहराया गया था। करीब छह घंटे बाद 80 वर्षीय डोमिनिक एंथनी ओचिकोने को भी मृत्युदंड दिया गया। ओचिकोने को 1986 में अपनी पूर्व प्रेमिका के माता-पिता की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था।

फ्लोरिडा में इससे पहले 12 मई 1964 के बाद किसी एक दिन में दो दोषियों को मृत्युदंड नहीं दिया गया था। इस फैसले का मानवाधिकार संगठनों और स्थानीय पादरियों ने विरोध करते हुए एक ही दिन दो लोगों को मृत्युदंड दिए जाने पर गंभीर आपत्ति जताई है।

1 अगस्त से नाथू ला पास के जरिए फिर शुरू होगा भारत और चीन सीमा व्यापार

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत और चीन के बीच 1 अगस्त से नाथू ला पास के जरिए सीमा व्यापार दोबारा शुरू होगा। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच पहले हुए समझौते के तहत इस फैसले को लागू किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि 19 अगस्त 2025 को जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दोनों देशों ने लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला पास के जरिए सीमा व्यापार बहाल करने पर सहमति जताई थी।

उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत अब चरणबद्ध तरीके से फैसलों को अमल में लाया जा रहा है। इसी क्रम में 1 अगस्त से नाथू ला पास के रास्ते भारत-चीन सीमा व्यापार फिर शुरू होगा। नाथू ला मार्ग के खुलने से दोनों देशों के बीच सीमावर्ती व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय कारोबारियों और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

अहमदाबाद मंडल की नई पहल, 30 ओवरहेड जल टैंकों पर विज्ञापन से बढ़ाया जाएगा राजस्व

● अहमदाबाद / (एजेंसी)

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने गैर-किराया आय बढ़ाने के लिए 30 ओवरहेड जल टैंकों पर वॉल पेंटिंग के जरिए विज्ञापन प्रदर्शित करने का 5 वर्षीय ई-नीलामी अनुबंध प्रदान किया है। करीब 2,901 वर्गमीटर विज्ञापन क्षेत्र वाले इस अनुबंध का कुल मूल्य 22.12 लाख रुपये है। मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश के

नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल के तहत अहमदाबाद समेत कई रेलवे स्टेशनों के जल टैंकों का व्यावसायिक उपयोग किया जाएगा। रेलवे का कहना है कि इस कदम से गैर-किराया राजस्व बढ़ाने के साथ रेलवे परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

विशेषज्ञों का दावा — 40-50 की उम्र में भी धूम्रपान छोड़ना फायदेमंद, शरीर खुद करता है इससे हुए नुकसान की भरपाई

35 की उम्र तक छोड़ दिया धूम्रपान तो कैंसर का खतरा लगभग खत्म

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

धूम्रपान को आज स्वास्थ्य के लिए सबसे खतरनाक आदतों में गिना जाता है। यह फेफड़ों को स्थायी नुकसान पहुंचाता है, करीब 40 तरह के कैंसर का खतरा बढ़ाता है और जीवन प्रत्याशा को कई साल तक कम कर सकता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि धूम्रपान छोडऩे में कभी देर नहीं होती। शरीर में खुद को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है और सही समय पर धूम्रपान छोडऩे से कैंसर और हृदय रोग का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एक बड़े शोध के अनुसार, जो लोग 35 वर्ष की उम्र तक धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनमें कैंसर से मौत का खतरा लगभग उन लोगों जितना ही रह जाता है, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। वहीं, 44 वर्ष की उम्र तक छोडऩे से धूम्रपान से जुड़े करीब 90 प्रतिशत स्वास्थ्य जोखिमों से बचा जा सकता है। 54 वर्ष की उम्र तक छोडऩे वाले लोग भी धूम्रपान से होने वाले कैंसर के लगभग 78 प्रतिशत जोखिम को टाल सकते हैं।

फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण

विशेषज्ञों के मुताबिक, धूम्रपान दुनिया भर में मौतों का एक बड़ा कारण है। लंबे समय तक धूम्रपान करने वाले लोगों की औसत उम्र गैर-धूम्रपान करने वालों से करीब 11 साल कम हो सकती है। धूम्रपान से होने वाली मौतों में बड़ी संख्या फेफड़ों के कैंसर की होती है। धूम्रपान करने वालों में फेफड़ों के कैंसर का खतरा गैर-धूम्रपान करने वालों की तुलना में करीब 30 गुना तक अधिक हो सकता है। एक सिगरेट के धुएं के साथ 7,000 से ज्यादा रसायन शरीर में पहुंचते हैं, जिनमें कई कैंसर पैदा करने वाले तत्व होते हैं। ये फेफड़ों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं।

दिल और दिमाग पर भी असर

धूम्रपान केवल फेफड़ों को ही नुकसान नहीं पहुंचाता। यह रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाकर सूजन और ब्लॉकेज का खतरा बढ़ाता है। सिगरेट के धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड खून में ऑक्सीजन की मात्रा कम कर देती है। इससे हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और कोलेस्ट्रॉल संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। कुछ नए शोधों में धूम्रपान को मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) और मोटर न्यूरोन डिजीज (एमएनडी) जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से भी जोड़ा गया है।

छोड़ते ही शुरू हो जाता है सुधार

विशेषज्ञों के अनुसार, धूम्रपान छोड़ने के बाद शरीर तेजी से सुधार शुरू करता है।

- **20 मिनट बाद:** हृदय गति और ब्लड प्रेशर सामान्य होने लगते हैं।
- **12 घंटे बाद:** खून में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर घटता है और ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है।
- **48 घंटे बाद:** निकोटीन शरीर से बाहर निकलने लगता है और स्वाद व गंध की क्षमता बेहतर होती है।
- **3 महीने बाद:** फेफड़ों की कार्यक्षमता और रक्त संचार में सुधार आता है।
- **1 साल बाद:** हृदय रोग का खतरा आधा रह जाता है।
- **10 साल बाद:** फेफड़ों के कैंसर से मौत का खतरा लगभग आधा हो सकता है और स्ट्रोक का जोखिम सामान्य स्तर तक आ सकता है।

कभी-कभार या सप्ताह में एक सिगरेट भी सुरक्षित नहीं

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कभी-कभार या हल्का धूम्रपान भी सुरक्षित नहीं है। सिर्फ एक-दो सिगरेट रोजाना पीने वालों में भी हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा गैर-धूम्रपान करने वालों की तुलना में काफी अधिक पाया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सिगरेट कम करना फायदा दे सकता है, लेकिन स्वास्थ्य जोखिम को सबसे ज्यादा कम करने का एकमात्र तरीका पूरी तरह धूम्रपान छोड़ना है।

वेपिंग पर क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वेपिंग के लंबे समय के प्रभावों पर अभी शोध जारी है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि यह पारंपरिक सिगरेट से कम नुकसानदायक हो सकती है। लेकिन इसका इस्तेमाल केवल धूम्रपान छोडऩे के साधन के रूप में किया जाना चाहिए, नई आदत के रूप में नहीं। धूम्रपान छोडऩे की कोई आखिरी उम्र नहीं होती, लेकिन जितनी जल्दी छोड़ेंगे, शरीर को उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दशार्या। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है। हाल के दिनों में पूरे देश से इथेनॉल के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं नजर आ रही हैं। मुद्दा सार्वजनिक विमर्श का विषय बना हुआ है। कुछ संगठन आंदोलन की चेतावनी भी दे रहे हैं। ट्रांसपोर्ट यूनियनों के विरोध, विपक्ष की इस मामले में पारदर्शिता की मांग और ई-20 जनता पार्टी जैसे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन कैंपेन लोगों की इस बाबत बढ़ती चिंता को ही दशार्ता है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे को समय रहते गंभीरता से लेने की जरूरत है।

सही मायने में ग्राहकों को वारंटी सुरक्षा, लंबे समय तक रखरखाव के खर्च, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की माइलेज और इंजन व अन्य उपकरण खराब होने की जिम्मेदारी के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी ही चाहिए। इस बाबत सरकार द्वारा दी गई केवल सफाई भरोसे का आधार नहीं बन सकती। इसके लिये प्रामाणिक तथ्यों की भी जरूरत है। वहीं सरकार के इस बाबत संकेत से कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिए प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाई जा रही है,से यह पता जरूर चलता कि ई-20 आखिरी पड़ाव न हो। निश्चित रूप से इस तरह के किसी कदम के लिये जनता को विश्वास में लेने और डेटा आधारित पॉलिसी बनाने की जरूरत है। किसी नीति के लाभदायक होने के साथ ही जरूरी है लोगों को यह लगना कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

गुरु के प्रति कृतज्ञता का दिवस है गुरुपूर्णिमा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

ब्रह्मानन्दं परमसुखदं केवलं ज्ञानमूर्तिं, द्वन्द्वातीतं गगनसदृशं तत्त्वमस्यादिलक्ष्यम ।एकं नित्यं विमलमचलं सर्वधीसाक्षिभूतं, भावातीतं त्रिगुणरहितं सद्गुरुं तं नमामि ॥ आषाढ शुक्ल पूर्णिमा का यह पुण्य दिवस भारतीय सनातन वैदिक परम्परा में गुरु-तत्त्व की उपासना का महापर्व है। यह केवल किसी महापुरुष के जन्म अथवा स्मृति का उत्सव नहीं, अपितु उस अनादि ज्ञान-परम्परा के प्रति कृतज्ञता का दिवस है जिसके माध्यम से श्रुति का अमृत, आत्मविद्या का प्रकाश तथा मोक्षमार्ग का यथार्थ स्वरूप युग-युगान्तर से गुरु से शिष्य तक अविच्छिन्न रूप से प्रवाहित होता आया है। इसी कारण यह दिवस गुरुपूर्णिमा के साथ-साथ व्यासपूर्णिमा के नाम से भी विख्यात है। भारतीय दर्शन का मूलाधार यह है कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप नश्वर शरीर, चंचल मन अथवा सीमित बुद्धि नहीं, अपितु नित्य, शुद्ध, बुद्ध और मुक्त आत्मा है। किन्तु अनादिकाल से अविद्या के कारण जीव अपने इसी स्वरूप को विस्मृत कर संसार के सुख-दुःख, राग-द्वेष तथा जन्म-मृत्यु के चक्र में आबद्ध रहता है। वेदान्त का समस्त प्रयोजन इसी अविद्या का निवारण है। यही कारण है कि उपनिषद् उद्घोष करते हैं, तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत्। आत्मतत्त्व का ज्ञान गुरु के बिना सम्भव नहीं। गुरु का कार्य शिष्य को कोई नया सत्य प्रदान करना नहीं है। सत्य तो नित्यसिद्ध है। गुरु केवल शिष्य के अन्तःकरण पर पड़े अज्ञान के आवरण को शास्त्रप्रमाण और युक्तिसम्मत उपदेश द्वारा दूर करता है। जब अविद्या निवृत्त होती है, तब वही जीव अपने ब्रह्मस्वरूप का अनुभव करता है। इसलिए वेदान्त में गुरु को परब्रह्म का प्रतिनिधि तथा ब्रह्मविद्या का साक्षात प्रकाशस्वरूप कहा गया है।

भगवान्-श्रीनारायण से प्रवाहित यह ज्ञानधारा ब्रह्मा, महर्षि वसिष्ठ, शक्ति, पराशर, भगवान् वेदव्यास, श्रीगौडपादाचार्य, श्रीगोविन्दभगवत्पादाचार्य तथा आदि जगद्गुरु भगवान्-श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य के माध्यम से अखण्ड रूप से प्रवाहित होती रही है। इसी अविच्छिन्न गुरु-परम्परा ने वेदों के यथार्थ अभिप्राय को सुरक्षित रखा और ब्रह्मविद्या को जीवित परम्परा के रूप में संसार के समक्ष प्रतिष्ठित किया।

भगवान् वेदव्यास का भारतीय अध्यात्म में स्थान अद्वितीय है। उन्होंने वेदों का विभाजन कर उन्हें व्यवस्थित रूप प्रदान किया, ब्रह्मसूत्र के माध्यम से उपनिषदों के सिद्धांतों का सूत्रीकरण किया तथा महाभारत और पुराणों द्वारा धर्म को लोकजीवन के साथ जोड़ा। इसीलिए व्यास केवल एक महर्षि नहीं, अपितु सम्पूर्ण वैदिक ज्ञानपरम्परा के मूर्त स्वरूप माने जाते हैं।

कालान्तर में जब वेदान्त का यथार्थ स्वरूप विविध मत-मतान्तरों से आच्छादित होने लगा, तब भगवान सदाशिव के अवतार आदि जगद्गुरु भगवान् श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य ने ब्रह्मसूत्र, श्रीमद्भगवद्गीता तथा प्रमुख उपनिषदों पर अपने अद्वितीय भाष्यों द्वारा अद्वैत वेदान्त की पुनः प्रतिष्ठा की। उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि मोक्ष किसी कर्मविशेष का फल नहीं, प्रत्युत आत्मस्वरूप के ज्ञान से प्राप्त होने वाली अविद्यानिवृत्ति है। भारत की चारों दिशाओं में आम्नाय पीठों की स्थापना कर उन्होंने गुरु-शिष्य-परम्परा को सुदृढ़ आधार प्रदान किया और धर्म, दर्शन तथा संस्कृति की अखण्ड ज्योति को युग-युगान्तर तक प्रकाशित रखने की व्यवस्था की। इसी सत्य का स्मरण कराते हुए परम्परा में श्रद्धापूर्वक कहा गया है, व्यासो नारायणः साक्षात्। शङ्करः शङ्करः स्वयम्॥

गुरुपूर्णिमा का वास्तविक सन्देश केवल गुरु का पूजन करना नहीं, अपितु गुरु के उपदेश को अपने जीवन में प्रतिष्ठित करना है। श्रद्धा तभी सार्थक है जब वह शास्त्राध्ययन में परिणत हो, शास्त्राध्ययन तभी सफल है जब वह मनन और निदिध्यासन में परिणत हो, और साधना तभी पूर्ण होती है जब आत्मस्वरूप का बोध जीवन का आधार बन जाए। यही गुरु-दक्षिणा है, यही गुरु-भक्ति है और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सच्चा सम्मान है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में सत्य, धर्म, करुणा, संयम, स्वाध्याय और आत्मचिन्तन को पुनः प्रतिष्ठित करें। समाज की स्थायी शांति केवल भौतिक उन्नति से नहीं, अपितु चरित्र, सदाचार और आत्मविद्या से सम्भव है। जिस समाज में गुरु का सम्मान, शास्त्रों में निष्ठा और धर्म में आस्था जीवित रहती है, वही समाज अपने सांस्कृतिक वैभव को अक्षुण्ण रख सकता है।

इस पावन व्यासपूर्णिमा-गुरुपूर्णिमा के अवसर पर भगवान् श्रीद्वारकाधीश, जगज्जननी श्रीशारदाम्बा, भगवान् श्रीसिद्धेश्वर महादेव, आदि जगद्गुरु भगवान् श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य तथा भगवान् वेदव्यास की कृपा समस्त श्रद्धालुजनों पर निरन्तर बनी रहे। प्रत्येक साधक के अन्तःकरण में आत्मविद्या के प्रति अनुराग, गुरु-चरणों में अखण्ड श्रद्धा, शास्त्रों में दृढ़ निष्ठा तथा धर्मपालन का संकल्प सुदृढ़ हो। सम्पूर्ण मानवता शान्ति, सद्भाव, आध्यात्मिक जागरण और लोकमंगल के पथ पर अग्रसर हो, इन्हीं मंगलकामनाओं सहित पावन शुभाशीर्वाद।

धर्म की जय हो। अधर्म का नाश हो। प्राणियों में सद्भावना हो। विश्व का कल्याण हो। गोमाता की जय हो। गोहत्या बन्द हो। (

यह विचार पश्चिमाम्नाय श्रीद्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती महाराज के हैं।)

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरूआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में शिवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर बोल बम का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं।

भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि कांवड़ यात्रा का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है।

कांवड़ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि कांवड़ शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। ₹कंवार₹ शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ कंधा है।

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है। इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरूआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार क अक्षर अग्नि को द्योतक है और आवर का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं।

गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर भी है। कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है। इस दौरान भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दशार्ता है। सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

आधुनिक तकनीकों से मिली बाघ संरक्षण अभियानों को ऊर्जा?

डॉ. रमेश ठाकुर

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने का मुख्य मकसद विश्वभर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना है। यह दिन जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। शुरूआत रूस स्थित पीटरर्सबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलन के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले भारत में ही है। साल 2022 बाघ गणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक-ठाक हुआ। ग्लोबल टाइगर दिवस-2025 की थीम थी, हमारे हाथों में है बाघों का संरक्षण।

बाघों की आबादी के मामले में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-2022 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है।

प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी आबादी का सही-सही आंकड़ा सामने आ सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके। पिछली बाघ गणना के दौरान मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 2025 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम माधव राष्ट्रीय उधान रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है।

गौरतलब है कि भारत में बाघों की गणना प्रत्येक 5 साल बाद की जाती है पिछली गणना 2022 में हुई थी, अगली गणना मार्च-2027 में करवाने का प्रस्ताव पारित है। बाघों की आबादी जितनी होनी चाहिए, उतनी है नहीं। बाघ संरक्षण पर केंद्र सरकार सालाना करीब 250 से 290 करोड़ रूपए खर्च करती है। वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर में रखे गए प्रत्येक बाघ पर साल में 20 लाख से ज्यादा खर्च होता है। आजादी से पूर्व 100 साल पहले यानी 1926 के आसपास में भारत में बाघों की आबादी सर्वाधिक एक लाख से भी अधिक हुआ करती थी, जो घटती-घटती आज कुछ हजारों तक ही सिमट गई। उत्तराखंड स्थित सिर्फ जिम कॉर्बेट में ही हजारों बाघ पाए जाते थे। हालांकि, सर्वाधिक संख्या आज भी वहीं है। पिछली गणना में 231 बाघ बताए गए थे। इस समय मध्य प्रदेश में 785, कर्नाटक में 524 बाघ हैं।

बाघों के लुप्त होते कारणों में आवासों की कमी, वन-विखंडन, अवैध शिकार, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुख्य वजहें हैं। अगर ये रूक जाएं तो बाघों की संख्या एकाएक बढ़ जाएगी। एशिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां बाघ पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं उनमें, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। कुछ देश इस मामले में विलुप्ति की कगार पर हैं। बाघों का अवैध शिकार समूचे संसार में तेजी से जारी है। होता क्यों है? ये भी जानना जरूरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाघों के अंगों की सदैव से भारी डिमांड रही है जिनमें एशियाई बाघों की सबसे ज्यादा। इसे देखते हुए बाघ संरक्षण के क्षेत्र में और सख्ती बरतने की जरूरत है। कानूनों को कठोर और जुमार्ने का भारी-भरकम प्रावधान किए जाने की जरूरत है।

ताकि, कोई भी नुकसान पहुंचाने से पहले सौ बार सोचे। पिछले एक वर्ष में विभिन्न राज्यों में करीब 75 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई, कइयों को जेल भी हुई। नरसिंहपुर, बालाघाट और बांधवगढ़ में बाघों के अवैध शिकार व अंगों की तस्करी मामलों में मार्च 2025 में एक साथ दर्जनों शिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 के तहत कार्रवाही की जाती है जिसमें 3 से 7 साल की कैद का प्रावधान है। इसे रिफॉर्म किए जाने की अब जरूरत है।

जंगली बाघ हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सामंजस्य को बनाए रखने में हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। भारत में टाइगरों के संरक्षण के लिए केंद्रीय और राज्य स्तरों पर विभिन्न अभियान बीते एकाध दशकों से जारी हैं। इन अभियानों के निरंतर चलते रहने से ही भारत में इस समय 58 टाइगर रिजर्व स्थापित हैं।

ये बाघ रिजर्व 19 राज्यों में फैले हैं। सर्वाधिक टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं। करीब 30 पहले भारत में बाघों की आबादी अचानक से घटनी शुरू हुई तो सरकार ने टाइगर टास्क फोर्स का गठन किया। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 1 जुलाई 1973 को प्रोजेक्ट टाइगर आरंभ करके बाघों की घटती आबादी को किसी तरह रोकना शुरू किया। इस प्रयोग से जबरदस्त फायदा हुआ।

बाघ संरक्षण निर्भर प्रजाति है। बाघों के संरक्षण में उनके रहने के निवास यानी अभयारण्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पर, इन जगहों पर लगातार बढ़ती शिकारियों की गतिविधियों ने उनकी शांत जिंदगी में खलल पहुंचा दिया है। शिकारी ज्यादातर बाघ अभयारण्यों के ईद-गिर्द घात लगाए होते हैं। बाघ को देखते ही उसका शिकार कर देते हैं। कई बार खबरें ऐसी भी आई कि शिकारियों का साथ वन्य कर्मी भी देते है। ऐसे गंभीर आरोप में कर्नाटक के कई वन्य कर्मी पकड़े भी गए। इस सिंडिकेट को किसी भी तरह से रोकेने की जरूरत है। अगर इन तत्वों को नहीं रोका गया तो भारत वैश्विक स्तर पर बाघ आबादी का पहला पायदान खो देगा।

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा।

गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पायँ।

बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ।।

(गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।) यह सद्गुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया ओर अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सद्गुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सद्गुरू कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सद्गुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं। इन पंक्तियों का सार तत्व सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए।

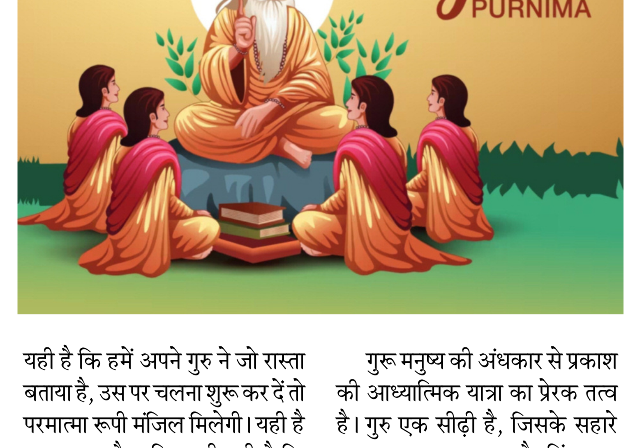

यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरू पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान ओर स्मरणरत हों। पथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा

गुरू मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे।

यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उच्च सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरूषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है। गुरू एक माध्यम है, जिसके द्वारा गोविन्द का ज्ञान होता है इसलिए गुरु ने गोविन्द की प्राप्ति के लिए जो साधन बताए हैं, हम वह साधन करें तो उस परमात्म तत्व की प्राप्ति की ओर बढ़ा जा सकता है। किंतु यदि हम गुरु द्वारा बताए गए साधन नहीं करें और गुरु के नाम का ही जाप करते रहें तो हमें क्या प्राप्त होगा? इसलिए निसेनी गिरा देने का अर्थ इतना ही है कि गुरू को नहीं पकड़ते हुए गुरू ने जो उपदेश दिया है उस पर अमल कर आत्मसात करें। साथ ही उन्होंने जो कुछ कहा है अथवा उनके द्वारा जो साधन बताया गया है, उसे पूरी श्रद्धा से अंगीकार करें। शास्त्र कहते हैं कि शिक्षा गुरु तो अनेक हो सकते हैं किंतु दीक्षा गुरु केवल एक होना चाहिए, किंतु प्रश्न पैदा होता है कि वह कैसा हो? हमारे शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि वह अपने शिष्यों के लिए निरपेक्ष भाव से भावित और ब्रह साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करने वाला हो, न कि गुरु दक्षिणा के नाम पर धन की अपेक्षा रखने वाला हो। आज देखा जाता है कि ज्यादातर महात्मा अपने अनुयायियों को अपने पंथ से जोड़े रखने और स्वयं के प्रति पूज्यता के भाव को बनाए रखने के लिए गुरु की महत्ता को अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से बखान करते हुए शिष्यों को बांधे रखते है, ऐसा व्यक्ति संत कहला सकता है किंतु वह सद्गुरु नहीं हो सकता। सद्गुरु तो पथ प्रदर्शक है, शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला। ऐसा वह गुरु वंदनीय और प्रथम प्रणाम करने योग्य है, वह ब्रह्म स्वरूप है।

डिजिटल संप्रभुता,लोकतंत्र और सोशल मीडिया जवाबदेही

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में वर्ष 2026 का नीट पेपर लीक विवाद केवल एक परीक्षा की विश्वसनीयता का प्रश्न नहीं रहा,बल्कि यह युवाओं के विश्वास, लोकतांत्रिक अधिकारों, न्यायपालिका की भूमिका, सरकार की जवाबदेही तथा वैश्विक डिजिटल प्लेटफॉर्मों की शक्ति से जुड़ा बहुआयामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषय बन गया।

जंतर-मंतर पर हुआ व्यापक छात्र आंदोलन, उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, न्यायपालिका की सक्रियता तथा भारतीय प्रधानमंत्री की फेसबुक पोस्ट हटाए जाने को लेकर मेटा और भारत सरकार के बीच उत्पन्न विवाद,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन सभी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि इक्कीसवीं सदी का लोकतंत्र केवल संसद न्यायालय और चुनाव तक सीमित नहीं रह गया है।अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक मंच बन चुके हैं।जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों और युवाओं द्वारा किया गया आंदोलन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जा सकता है।

इस आंदोलन का मूल उद्देश्य केवल नीट परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करना नहीं था, बल्कि यह संदेश देना भी था कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समान अवसर लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला हैं। इस आंदोलन ने भारत के भीतर व्यापक जनसमर्थन प्राप्त किया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तथा वैश्विक शिक्षा जगत का भी ध्यान आकर्षित किया।इससे यह संदेश गया कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने युवाओं की आवाज को गंभीरता से सुनने की क्षमता रखता है।आंदोलन के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को कई विश्लेषकों ने राजनीतिक जवाबदेही का उदाहरण माना। लोकतांत्रिक शासन में मंत्री केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं होते, बल्कि वे नैतिक उत्तरदायित्व का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

यद्यपि किसी भी इस्तीफे के पीछे अनेक राजनीतिक और प्रशासनिक कारण हो सकते हैं,फिर भी जनता के बीच यह धारणा बनी कि लोकतांत्रिक दबाव और जनआंदोलन शासन को उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह लेख सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दावों,घटनाक्रमों और लोकतांत्रिक विमर्श के आधार पर विश्लेषण प्रस्तुत करता है।जिन मामलों का संबंध न्यायालय, सरकारी जांच अथवा आधिकारिक पुष्टि से है,उन्हें अंतिम तथ्य नहीं बल्कि उपलब्ध सूचनाओं के संदर्भ में सटीकता से देखा जाना चाहिए। साथियों, 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुईसुनवाई ने इस पूरे घटनाक्रम को नया आयाम दिया। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार न्यायालय ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार,कानून के समक्ष समानता तथा अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचने की आवश्यकता पर गंभीर टिप्पणियाँ कीं।

गुरु पूर्णिमा विशेष

गुरु की महिमा और जीवन में उनका महत्व

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक, संस्कारों का संवाहक और व्यक्तित्व का निर्माता होता है।

हमारे शास्त्रों में गुरु को ईश्वर के समान सम्मान दिया गया है, क्योंकि वही मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। इसी महान गुरु-परंपरा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को 'गुरु पूर्णिमा' का पर्व मनाया जाता है।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा का संबंध महर्षि वेदव्यास से माना जाता है, जिन्हें भारतीय ज्ञान-परंपरा का आधार स्तंभ कहा जाता है। उन्होंने वेदों का संकलन किया, महाभारत जैसे महान ग्रंथ की रचना की तथा अठारह पुराणों की रचना का श्रेय भी उन्हें प्राप्त है। इसलिए इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। यह पर्व हमें ज्ञान, संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

गुरु की महिमा

'गुरु' शब्द का अर्थ है अंधकार का नाश करने वाला। 'गु' का अर्थ अंधकार और 'रु' का अर्थ उसे दूर करने वाला है। अर्थात गुरु वह है जो अज्ञान, भ्रम और निराशा को दूर कर ज्ञान, विवेक और आत्मविश्वास का प्रकाश फैलाता है।

गुरु की भूमिका

एक सच्चा गुरु केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाता है। वह अपने शिष्य में अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता, परिश्रम और सेवा की भावना का विकास करता है। गुरु कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की प्रेरणा देता है तथा शिष्य की छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारता है। एक योग्य गुरु साधारण व्यक्ति को भी असाधारण उपलब्धियों तक पहुंचा सकता है।

संत कबीर ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा है...

गुरु गोविंद दोऊ खड़े,
काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपने,
गोविंद दियो बताय।।

इस दोहे का भाव यह है कि यदि गुरु और भगवान दोनों एक साथ सामने हों तो सबसे पहले गुरु को प्रणाम करना चाहिए, क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूजनीय माना गया है। आज की आधुनिक दुनिया में जहां जीवन निरंतर भागदौड़ भरा है, ऐसे में गुरु की शरण में जाना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। गुरु ही है जो भटकते मन को शांत कर सकता है।

भारतीय परंपरा में गुरु-शिष्य संबंध

भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य संबंध के प्रेरक उदाहरणों से भरा पड़ा है। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से शिक्षा प्राप्त की। आचार्य चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को प्रशिक्षित कर एक महान सम्राट बनाया। स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व के निर्माण में उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस का महत्वपूर्ण य5ोगदान रहा। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि राष्ट्र और समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आधुनिक युग में गुरु का महत्व

आज इंटरनेट, डिजिटल शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जानकारी प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। फिर भी जानकारी और ज्ञान में अंतर होता है। जानकारी अनेक माध्यमों से मिल सकती है, लेकिन सही विवेक, नैतिक मूल्य, जीवन-दृष्टि और अनुभव का मार्गदर्शन केवल गुरु ही प्रदान कर सकता है। इसलिए बदलते समय में भी गुरु का महत्व कभी कम नहीं हो सकता।

गुरु पूर्णिमा का संदेश

गुरु पूर्णिमा का दिन हमें उन सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है, जिन्होंने हमारे जीवन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई है। माता-पिता, शिक्षक, आचार्य और जीवन में सही दिशा दिखाने वाले सभी व्यक्ति किसी न किसी रूप में हमारे गुरु हैं। उनके प्रति सम्मान और उनके बताए मार्ग पर चलना ही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है। गुरु जीवन का वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों का मार्ग प्रकाशित करता है। वह केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि संस्कार, चरित्र, आत्मविश्वास और मानवता का निर्माण करता है। गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है। गुरु पूर्णिमा हमें यही प्रेरणा देती है कि गुरुओं के आदर्शों को जीवन में अपनाएं व उनके मार्गदर्शन से स्वयं और समाज को बेहतर बनाने का निरंतर प्रयास करें।

वन तुलसी: जंगल में उगने वाली औषधीय संपदा, जो सेहत के लिए है वरदान

तुलसी भारतीय संस्कृति और आयुर्वेद का अभिन्न हिस्सा रही है। घरों के आंगन में विराजमान श्याम और राम तुलसी की पूजा तो लगभग हर भारतीय परिवार में होती है, लेकिन प्रकृति की गोद में स्वत: उगने वाली एक खास प्रजाति ऐसी भी है, जो औषधीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसे वन तुलसी के नाम से जाना जाता है। जंगलों, पहाड़ी क्षेत्रों और प्राकृतिक वातावरण में पाई जाने वाली वन तुलसी अपने विशिष्ट गुणों के कारण आयुर्वेद में विशेष स्थान रखती है। सामान्य तुलसी की तुलना में इसमें औषधीय तत्वों की मात्रा अधिक मानी जाती है। यही वजह है कि प्राचीन समय से इसका उपयोग कई शारीरिक समस्याओं के उपचार और स्वास्थ्य संरक्षण के लिए किया जाता रहा है।

त्वचा और बालों की देखभाल में उपयोगी

वन तुलसी केवल अंदरूनी स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-फंगल गुण त्वचा संबंधी कई समस्याओं में राहत पहुंचा सकते हैं। इसके पत्तों का लेप लगाने से कील-मुहांसों, खुजली, दाद और अन्य त्वचा संबंधी परेशानियों में लाभ मिल सकता है। वहीं, वन तुलसी के पानी से बाल धोने पर रूसी यानी डैंड्रफ की समस्या कम करने में मदद मिल सकती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक

मौसम बदलने के दौरान संक्रमण और बुखार जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे समय में वन तुलसी की पत्तियों से बनी चाय या काढ़ा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक हो सकता है। इसके प्राकृतिक तत्व शरीर को संक्रमणों से बचाने और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

पाचन तंत्र को रखती है स्वस्थ

अनियमित खान-पान और जीवनशैली के कारण गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। वन तुलसी इन परेशानियों में भी उपयोगी मानी जाती है। इसकी पत्तियों का सेवन पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके प्राकृतिक गुण पेट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं, जिससे पेट हल्का रहता है और पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

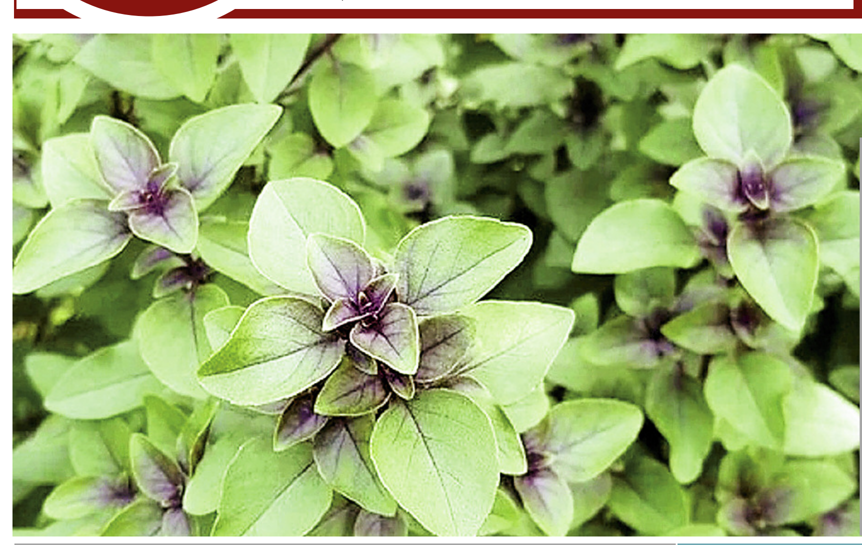

तनाव और मानसिक थकान में राहत

वर्तमान समय की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव और मानसिक थकान हर किसी के लिए आम समस्या बन चुकी है। वन तुलसी को प्राकृतिक एडाप्टोजेन के रूप में भी देखा जाता है, जो शरीर को तनावपूर्ण परिस्थितियों से बेहतर तरीके से निपटने में मदद कर सकती है। इसकी सुगंध मन को शांत करने वाली मानी जाती है। इसका सेवन मानसिक तनाव, चिंता और सिरदर्द जैसी समस्याओं में आराम देने वाला अनुभव करा सकता है।

सांस संबंधी समस्याओं में प्राकृतिक उपचार

बदलते मौसम में सर्दी, खांसी, कफ और सांस से जुड़ी परेशानियां आम हो जाती हैं। ऐसे में वन तुलसी राहत देने वाली प्राकृतिक औषधि साबित हो सकती है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण शरीर में संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। वन तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाकर पीने से गले की खराश, कफ की समस्या और छाती में जकड़न जैसी परेशानियों में आराम मिल सकता है। यह श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने में भी सहायक मानी जाती है।

प्रकृति की अनमोल देन है वन तुलसी

वन तुलसी केवल एक पौधा नहीं, बल्कि प्रकृति की ओर से मिला एक औषधीय उपहार है। हालांकि किसी भी औषधीय पौधे का उपयोग करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहता है, लेकिन आयुर्वेद में वर्णित इसके गुण इसे स्वास्थ्य संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण वनस्पति बनाते हैं। जंगलों में सहज रूप से उगने वाली यह तुलसी आज भी प्रकृति और आयुर्वेद के गहरे संबंध का उदाहरण प्रस्तुत करती है।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंद यूनिलीवर	6.97 प्रतिशत
बीईएल	4.41 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.95 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.25 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.20 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,090
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,24,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.14	94.07
पौंड स्टर्लिंग	129.80	125.18
यूरो	111.00	106.84
चीन युआन	15.07	13.35

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचा : गोयल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत नीतिगत माहौल के चलते भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अपनी मौजूदा विशेषज्ञता और नई पीढ़ी के इनोवेटर्स की ऊर्जा का लाभ उठा रहा है, जिससे इस क्षेत्र में भारत का वैश्विक नेतृत्व मजबूत हो रहा है। यह बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिया।

स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदाना और सह-संस्थापक नागा भरत डाका से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विक्रम-1 मिशन की ऐतिहासिक सफलता पर इन दोनों और उनकी युवा टीम पर गर्व है। विक्रम-1 भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित और सफल लॉन्च हुआ ऑर्बिटल रॉकेट है और यह देश की अंतरिक्ष यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '10 जून 2026 को विक्रम-1 मिशन की सफलता के समर्थन में पोस्टकार्ड पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए बेहद यादगार पल था, जो शुरुआत में सिर्फ प्रोत्साहन का एक छोटा-सा कदम था, लेकिन वह आज भारत की असाधारण यात्रा का प्रतीक बन गया है। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की

■ नई पीढ़ी के इनोवेटर्स की ऊर्जा का लाभ उठा रहा भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र

भावी दिशा पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें स्पेस स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा ऐसा माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया, जहां देश के सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियर भारत में ही नवाचार और निर्माण को प्राथमिकता दें।

स्काईरूट के दोनों सह-संस्थापकों ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। कंपनी ने कहा कि भारत का डीप-टेक इकोसिस्टम दूरदर्शी सुधारों, विश्वस्तरीय डिजिटल अवसंरचना और नवाचार के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्काईरूट को भारत से वैश्विक स्तर की अंतरिक्ष तकनीक विकसित करने में योगदान देने पर गर्व है। हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं, जब भारत में बने चिप्स हमारे रॉकेटों में उड़ान भरेंगे। इससे पहले स्काईरूट के सह-संस्थापकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान प्रौद्योगिकी, दीर्घकालिक दृष्टिकोण और भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भविष्य के अवसरों पर चर्चा हुई। स्काईरूट के सह-संस्थापकों ने कहा, 'युवा उद्यमियों के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का प्रोत्साहन और भारत के बढ़ते नवाचार इकोसिस्टम पर उनका भरोसा हमें लगातार प्रेरित करता है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी व इनोवेशन पर आधारित फार्मा क्षेत्र के निर्माण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन आधारित दवा उद्योग के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही सरकार का लक्ष्य सभी के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना भी है। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के प्रतिनिधिमंडल के साथ सार्थक बैठक की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व इसके अध्यक्ष डॉ. शारविल पटेल ने किया। बैठक के दौरान पीयूष गोयल और उद्योग प्रतिनिधियों ने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), क्लीनिकल रिसर्च और उन्नत उपचार में अधिक निवेश आकर्षित कर भारत के फार्मा इनोवेशन इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने के अवसरों पर चर्चा की। चर्चा में सरकार और फार्मा उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया, ताकि इनोवेशन को गति मिले और भारतीय फार्मा क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और मजबूत हो सके।

गोयल ने दोहराया कि मोदी सरकार फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां इनोवेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों को किफायती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग दुनिया के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और वैश्विक बाजारों में सस्ती जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार घरेलू विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में कई पहल कर रही है।

भारत की औद्योगिक विकास दर जून में 7.3 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आईआईपी) जून में सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस दौरान इलेक्ट्रिसिटी एवं गैस आपूर्ति सेक्टर में 10.6 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई।

इसके अलावा, मुख्य क्षेत्रों में जून में खनन एवं उत्खनन क्षेत्र की वृद्धि दर एक प्रतिशत और जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही है।

मैन्युफैक्चरिंग के अंदर आने वाले 23 उद्योग समूहों में से 19 ने जून 2025 की तुलना में जून 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। जून 2026 में सबसे अधिक योगदान देने वाले तीन उद्योग समूह में इलेक्ट्रिकल उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग ने 34 प्रतिशत; मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर की मैन्युफैक्चरिंग ने 17.5 प्रतिशत और खाद्य

■ इलेक्ट्रिसिटी व गैस आपूर्ति सेक्टर रहा आगे

उत्पादों ने 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। 7.3 प्रतिशत की वृद्धि से आईआईपी जून 2026 में बढ़कर 123.1 हो गया है, जो कि जून 2025 में 114.7 पर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 के लिए खनन एवं उत्खनन, मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और गैस आपूर्ति, और जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आईआईपी क्रमशः 110.0, 123.3, 131.0 और 145.7 रहा। खाद्य उत्पादों के विनिर्माण' उद्योग समूह में चाय, चावल और सभी प्रकार के स्टार्च ने वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एमएस धोनी बने मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेलर और एक जिम्मेदार ज्वेलर, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज भारतीय क्रिकेट के दिग्गज एमएस धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। यह दीर्घकालिक साझेदारी 'द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर' की उस सोच पर आधारित है, जिसके तहत ब्रांड केवल आभूषणों तक ही नहीं, बल्कि उससे आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने में विश्वास रखता है। ऐसे समय में, जब उपभोक्ता पारदर्शिता, प्रामाणिकता और विश्वास को पहले से कहीं अधिक महत्व दे रहे हैं, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अपनी संपूर्ण वैल्यू चेन में जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। 'द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर' मलाबार गोल्ड

एंड डायमंड्स की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है, जो ज्वेलरी वैल्यू चेन के प्रत्येक चरण में जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाने पर आधारित है। यह ब्रांड की नैतिक सोर्सिंग, भरोसेमंद गुणवत्ता, पारदर्शी मूल्य निर्धारण, जिम्मेदार विनिर्माण और ग्राहक-प्रथम नीतियों के प्रति उसकी सोच को दर्शाता है। साथ ही, यह इस विश्वास को भी दोहराता है कि प्रत्येक आभूषण की खरीद विश्वास, जवाबदेही, भरोसे और सभी हितधारकों के प्रति जिम्मेदारी पर आधारित होनी चाहिए।

रेलवे ने नांदेड़ डिवीजन में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन अपग्रेड परियोजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के परभणी-मुदखेड़ डबल लाइन सेक्शन में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन (अपग्रेडेशन) को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी।

रेल मंत्रालय के अनुसार, 163 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के तहत मौजूदा 1: 25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को अधिक उन्नत 2:25 केवी सिस्टम में बदला जाएगा। यह कार्य 164 ट्रैक किलोमीटर के दायरे में किया

जाएगा। इसके साथ ही बढ़ते विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति (पावर सप्लाई) से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी आधुनिक बनाया जाएगा। परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर, इंदौर, खंडवा, अकोला, पूर्णा, मुदखेड़, सिकंदराबाद, महबूबनगर और धोन को जोड़ता है। यह मार्ग यात्री और मालगाड़ियों, दोनों के लिए बेहद

■ नए ट्रैक्शन सिस्टम से ट्रेनों के लिए बिजली आपूर्ति और अधिक होगी मजबूत

अहम माना जाता है। रेल मंत्रालय ने बताया कि नए ट्रैक्शन सिस्टम से ट्रेनों के संचालन के लिए बिजली आपूर्ति और अधिक मजबूत होगी, जिससे इस सेक्शन पर अधिक माल ढुलाई (फ्रेट) की क्षमता विकसित होगी और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज गति वाली ट्रेनों के संचालन को भी बेहतर समर्थन मिलेगा। यह परियोजना भारतीय रेलवे के 2029-30 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई के लक्ष्य को हासिल करने में भी मददगार साबित होगी।

बिकवाली के दबाव से बाजार में हल्की गिरावट

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। देश के शेयर बाजार में मंगलवार को बिकवाली के दबाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स 69.86 अंक (0.09 प्रतिशत) गिर कर 76,765.92 अंक तथा नेलशन स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 10.60 अंक (0.04 प्रतिशत) घट कर 23985.35 अंक पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह लगातार पांच दिन की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में तेजी दर्ज की गयी थी और सेंसेक्स 776.01 अंक (1.02 प्रतिशत) तथा निफ्टी 228.50 अंक (0.96 प्रतिशत) चढ़ा था।

बाजार में आज सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में कुल मिला कर तेजी का रुख दिखा जबकि बैंकिग और विद्युत कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा। त्वरित उपभोक्ता उद्योग में मिला जुला रुख देखा गया। सीमित उतार चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स सुबह करीब करीब कल के ही स्तर 76,831.75 अंक पर खुला और ऊपर में 76,988.48 तथा नीचे में 76,672.77 अंक तक जाने के बाद अंत में 76,765.92 अंक पर बंह हुआ जो कल की तुलना में 69.86 अंक यानी 0.09 प्रतिशत नीचे है। कल सेंसेक्स 76,835.78 पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स में 30 में 17 शेयर लाभ में और 13 गिरावट में रहें । सेंसेक्स के लाभ में रहे प्रमुख

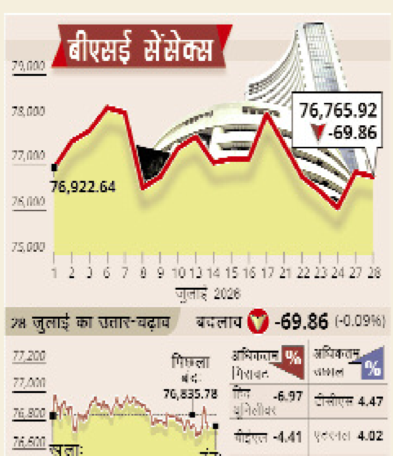

शेयरों में आईटीसी 4.47 प्रतिशत लाभ में रहा जबकि इटरनल में 4.02 प्रतिशत की तेजी देखी गई। टेक महिंद्रा और इन्फोसिस में क्रमशः 3.86 प्रतिशत और 2.47 प्रतिशत लाभ दर्ज किया गया।

गिरावट में रहे शेयरों में हिंदुस्तान यूनीलीवर 6.97 प्रतिशत टूट गया। बीईएल, एनटीपीसी , पावर ग्रिड में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। नेशलन स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 23,971.25

■ सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत गिर कर 76,765.92 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.04 प्रतिशत घट कर 23985.35 अंक पर बंद

पर खुल कर ऊपर में 24,041.15 और नीचे में 23,954.60 अंक तक जाने के बाद अंत में कल के बंद की तुलना में 10.60 अंक (-0.04 प्रतिशत) घट कर 23,985.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाइ थमने और कच्चे तेल के भावों में तेज गिरावट दिखने से बाजार में कल तेज सुधार दर्ज किया गया।

इसकी प्रमुख वजह पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में नरमी है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है। साथ ही, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार गिरावट भी घरेलू बाजार के लिए सहायक बनी हुई है।'

श्री खेमका ने कहा कि ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में लगभग प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह करीब 86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे भारतीय शेयर बाजार को लगातार समर्थन मिला। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों के बीच बाजार में शेयर-विशिष्ट गतिविधियां हावी रहीं।

भारत में जून में टेलीकॉम ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1.35 अरब हुई : ट्राई

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में जून में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1.348 अरब हो गई, जो मई में 1.343 अरब थी। यह जानकारी भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा मंगलवार को जारी लेटेस्ट टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन आंकड़ों में दी गई। जून के अंत तक देश की कुल टेली-डेंसिटी (प्रति 100 लोगों पर टेलीफोन कनेक्शन) बढ़कर 94.31 प्रतिशत हो गई, जो मई के अंत में 94.02 प्रतिशत थी।

शहरी क्षेत्रों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 787.71 मिलियन से बढ़कर 792.06 मिलियन हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 555.39 मिलियन से बढ़कर 556.01 मिलियन पहुंच गई। ब्रॉडबैंड सेवाओं में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई। ट्राई के अनुसार, जून के अंत तक देश में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की कुल संख्या 1.080 अरब से बढ़कर 1.087 अरब हो गई, जो मासिक आधार पर 0.68 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। ग्राहकों की संख्या बढ़ाने में वायरलेस सेवाओं की सबसे बड़ी भूमिका रही। मोबाइल और फिक्स्ड वायरलेस

■ ब्रॉडबैंड यूजर्स 1.08 अरब के पार

एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सहित वायरलेस ग्राहकों की कुल संख्या मई के 1.294 अरब से बढ़कर जून में 1.300 अरब हो गई। यह 0.45 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। शहरी वायरलेस ग्राहकों की संख्या बढ़कर 749.39 मिलियन हो गई, जबकि ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की संख्या 550.86 मिलियन पहुंच गई। जून के दौरान वायरलेस टेली-डेंसिटी भी बढ़कर 90.96 प्रतिशत हो गई। सिर्फ मोबाइल वायरलेस ग्राहकों की संख्या जून के अंत तक 1.277 अरब से बढ़कर 1.282 अरब हो गई, जो 0.42 प्रतिशत की मासिक वृद्धि को दर्शाती है।

सार संक्षेप

वार्टिस प्लेटफॉर्म्स ने वित्त वर्ष 2026 में दर्ज किया 96.22 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। रिटेल क्रेडिट पार्टिसिपेशन, डिजिटल लेंडिंग और लेंडिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करने वाली वित्तीय इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी, वार्टिस प्लेटफॉर्म्स ने आज 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी लेनदेनक्लब, इंस्टामनी और वार्टिस वन के नाम से तीन प्लेटफॉर्म संचालित करती है। समूह ने वित्त वर्ष 2026 में 96.22 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2025 के 34 करोड़ रुपये की तुलना में 180% से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। इन परिणामों पर अपनी बात रखते हुए, वार्टिस प्लेटफॉर्म्स के को-फाउंडर और सीईओ, भाविन पटेल ने कहाः 'वित्त वर्ष 2026 वार्टिस प्लेटफॉर्म्स के लेंडिंग व्यवसायों के एक समूह से इंटीग्रेटेड क्रेडिट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजस्व और लाभप्रदता में वृद्धि मजबूत परिचालन अनुशासन, गहरी संस्थागत साझेदारी और अंडरराइटिंग, तकनीक व जोखिम प्रबंधन में निरंतर निवेश को दर्शाती है।

एनटीपीसी के सीएमडी को मिला कार्यकाल विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा था। छह महीने का विस्तार 01 मई 2026 से प्रभावी होगा। महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त एनटीपीसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि राष्ट्रपति ने सीएमडी के रूप में श्री सिंह को छह महीने के लिए या इस पद पर नियमित भर्ती होने तक या अगले आदेश तक के लिए अनुबंध के आधार पर सेवा विस्तार दिया है। श्री सिंह वर्ष 2016 से एनटीपीसी के सीएमडी के पद पर हैं। उससे पहले वह गुजरात राज्य विद्युत कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर थे। उनके पास ऊर्जा क्षेत्र में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने वर्ष 1987 में एनटीपीसी में प्रशिक्षु अभियंता के तौर पर अपना करियर शुरू किया था।

नंदिता सिन्हा होंगी इंस्टामार्ट की सीईओ

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमितेश झा ने मंगलवार को तत्काल प्रभाव अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इंस्टामार्ट की प्रवर्तक कंपनी स्विगी ने मिंत्रा की सीईओ नंदिता सिन्हा को उनकी जगह सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति 03 अगस्त से प्रभावी होगी। स्विगी के सह-संस्थापक एवं सीईओ श्रीहर्ष मजेटी को भेजे अपने त्यागपत्र में श्री झा ने लिखा है कि वह कंपनी के बाहर अपना करियर आगे बढ़ाने के लिए इंस्टामार्ट छोड़ रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले समर्थन के लिए स्विगी के शीर्ष प्रबंधन का आभार जताया है।

भारत के रिकॉर्ड 863.1 अरब डॉलर के निर्यात में एफटीए की बड़ी भूमिका : सरकार

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 863.1 अरब डॉलर का अब तक का सबसे अधिक निर्यात (एक्सपोर्ट) दर्ज किया। विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स-एफटीए) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच दिलाने, निर्यात में विविधता बढ़ाने और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 441.8 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा निर्यात बढ़कर 421.3 अरब डॉलर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि वस्तु और सेवा निर्यात, दोनों ने मिलकर भारत के निर्यात को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। मंत्री ने बताया कि सरकार वर्ष 2021 के बाद लागू हुए व्यापार समझौतों के तहत मिलने वाले रियायती शुल्क के उपयोग की लगातार

■ अब नए बाजारों तक बढ़ी पहुंच

निगरानी करती है। इसके लिए सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन और साझेदार देशों के व्यापार आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) 1 मई 2022 से लागू होने के बाद अब तक 4.45 लाख सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन जारी किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय निर्यातकों ने शुल्क रियायतों का बड़े पैमाने पर लाभ उठाया है।

भारत की एक्सपोर्ट ग्रोथ का इंजन बना गुजरात

अहमदाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात भारत का एक प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र ही नहीं है, बल्कि आज देश के एक्सपोर्ट सेक्टर का ग्रोथ इंजन भी बन गया है। दरअसल, भारत ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में 863 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एक्सपोर्ट किया है और इसमें 110 अरब डॉलर की हिस्सेदारी के साथ गुजरात सभी राज्यों में नंबर वन है। इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, पेट्रोलियम उत्पाद, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर्स ने गुजरात के एक्सपोर्ट को मजबूती प्रदान की है।

बिजनेस जगत से जुड़े लोगों के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सरकार द्वारा लागू की गई औद्योगिक, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़ी नीतियों की वजह से निर्यात में गुजरात का योगदान लगातार बढ़ रहा है। राजकोट इंजीनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र पंचानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ गुजरात ने भी एक्सपोर्ट में अग्रणी भूमिका निभाई है, क्योंकि राज्य की

अलग-अलग नीतियां, जैसे गुजरात की इंडस्ट्रियल पॉलिसी, पहले नंबर पर रही हैं और हाल ही में जो नई पॉलिसी आई है, वह भारत में आने वाली पहली ऐसी पॉलिसी है।

इंड्स्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, गुजरात को एक्सपोर्ट सेक्टर में अव्वल बनाने में कम लॉजिस्टिक कॉस्ट और बेहतरीन ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के अग्रणी और अत्याधुनिक बंदरगाह गुजरात में है, साथ ही राज्य में कई स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) भी स्थापित हैं, जो एक्सपोर्ट ग्रोथ के एक बड़े हब के तौर पर उभरे हैं।

वहीं, सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष विनोद

■ देश के रिकॉर्ड 863 अरब डॉलर के निर्यात में 110 अरब डॉलर का योगदान

अग्रवाल ने कहा कि गुजरात अब पारंपरिक सेक्टरों से आगे निकलकर सेमीकंडक्टर और फाइनेंशियल एक्सपोर्ट जैसे न्यू एज सेक्टरों की ओर भी मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। राज्य में सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में व्यापक स्तर पर इन्वेस्टमेंट हो रहा है, साथ ही गुजरात ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग व इंड्स्ट्री मैप पर भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में गुजरात की एक्सपोर्ट कैपेसिटी में और ज्यादा वृद्धि की संभावना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), अहमदाबाद के ज्वाइंट डायरेक्टर राहुल सिंह ने कहा कि मजबूत पोर्ट सिस्टम, डेवलप्ड इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड नीतियों और ग्लोबल मार्केट के साथ सशक्त कनेक्टिविटी की वजह से गुजरात आज जहां देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट करने वाला राज्य बन गया है।

शब्दवाणी समाचार

बुखार के दौरान ये छोटी-सी गलती बढ़ा सकती है परेशानी

ठंडे पानी से नहाना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून शुरू होते ही कई तरह की बीमारियां तेजी से बढ़ने लगती हैं। लगातार बारिश, जगह-जगह पानी भरना और नमी बढ़ने से मच्छरों की संख्या भी बढ़ जाती है। इसी वजह से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, वायरल बुखार और टाइफाइड जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। इन बीमारियों का सबसे आम लक्षण बुखार होता है।

जब घर में किसी को बुखार आता है, तो अक्सर बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इस समय नहाना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे बुखार और बढ़ जाएगा। लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है।

जब घर में किसी को बुखार आता है, तो अक्सर बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इस समय नहाना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे बुखार और बढ़ जाएगा। लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। बुखार में सही तरीके से नहाने से शरीर को आराम मिलता है और व्यक्ति पहले से बेहतर महसूस करता है।

वास्तव में बुखार कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हमारे शरीर का एक चेतावनी संकेत है। जब कोई वायरस या बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश करता है, तो उससे लड़ने के लिए हमारा सिस्टम शरीर का तापमान बढ़ा देता है। इसका मतलब है कि बुखार आना इस बात का सबूत है कि शरीर संक्रमण से मुकाबला कर रहा है। इसलिए केवल दवा देकर बुखार कम कर देना ही काफी नहीं है,

बल्कि यह पता लगाना भी बेहद जरूरी है कि बुखार आने की असली वजह क्या है। डॉक्टरों के मुताबिक, अगर बुखार होने पर व्यक्ति बहुत ज्यादा कमजोर नहीं है और खुद से खड़ा हो सकता है, तो वह गुनगुने पानी से आराम से नहा सकता है। गुनगुना पानी शरीर को धीरे-धीरे आराम पहुंचाता है। इससे पसीना और गंदगी साफ होती है, शरीर हल्का महसूस होता है और कई बार

अच्छी नींद भी आती है।

वहीं बहुत ठंडे पानी से नहाना सही नहीं माना जाता। कई लोगों को लगता है कि ठंडा पानी शरीर का तापमान जल्दी कम कर देगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। जब ठंडा पानी शरीर पर पड़ता है, तो शरीर खुद को गर्म रखने की कोशिश करता है। इससे कपकपी छूटती है और व्यक्ति को पहले से ज्यादा परेशानी महसूस हो सकती है। इसलिए बुखार के समय नहाने में बहुत ठंडा पानी इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इसी तरह बहुत गर्म पानी से भी नहाना ठीक नहीं है। ज्यादा गर्म पानी से शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और कमजोरी बढ़ सकती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यही है कि सामान्य गुनगुने पानी का इस्तेमाल किया जाए। अगर किसी व्यक्ति में इतनी ताकत नहीं है कि वह नहा सके, तो ऐसे में गुनगुने पानी में साफ कपड़ा भिगोकर पूरे शरीर को धीरे-धीरे पोंछना चाहिए, ताकि शरीर साफ रहे और आराम भी मिले।

बुखार के समय सबसे जरूरी बात यह है कि शरीर में पानी की कमी न होने दें। बुखार आने पर शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है, जिससे पानी की कमी हो सकती है। इसलिए बार-बार पानी पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, ओआरएस, सूप, छाछ और दूसरे तरल पदार्थ भी फायदेमंद होते हैं। खाने में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन जैसे खिचड़ी और दलिया आदि लेना अच्छा माना जाता है। अगर बुखार एक-दो दिन में ठीक नहीं हो रहा या लगातार बढ़ रहा है, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2026: समय पर जांच और टीकाकरण से बच सकती हैं लाखों जिंदगियां

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है जो लिवर (यकृत) को प्रभावित करती है और समय पर पहचान न होने पर सिरोसिस, लिवर फेल्योर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। यही वजह है कि हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी, इसके खतरों और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया जा सके।

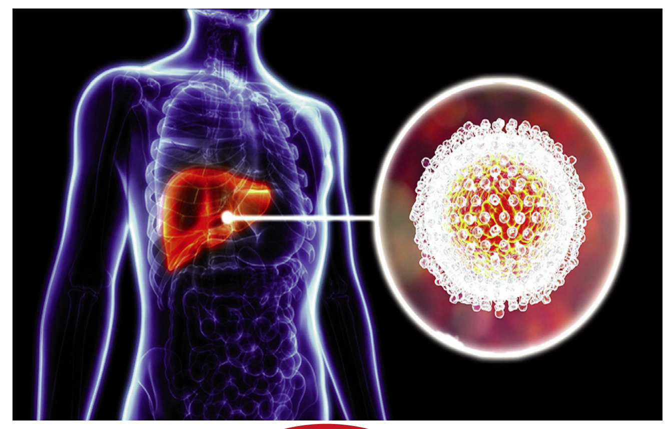

इस साल की थीम है— 'हेपेटाइटिस: आइए इसे समझें।' इसका मतलब है कि बीमारी से जुड़े डर, गलतफहमियों और इलाज तक पहुंच में आने वाली रुकावटों को खत्म किया जाए, ताकि हर जरूरतमंद व्यक्ति समय पर जांच और इलाज करा सके। हेपेटाइटिस मुख्य रूप से पांच तरह के वायरस- हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे ज्यादा गंभीर माने जाते हैं। अगर समय पर इनका इलाज न हो, तो ये लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2024 में दुनिया भर में करीब 28.7 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी या सी के साथ जी रहे थे। चिंता की बात यह भी है कि इसी वर्ष 13 लाख लोगों की मौत इन दोनों संक्रमणों के कारण हुई। वहीं, जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी का टीका पाने वाले नवजातों की संख्या केवल 45 प्रतिशत रही। अच्छी बात यह है कि हेपेटाइटिस से बचाव और इलाज दोनों संभव हैं। हेपेटाइटिस ए और बी के लिए प्रभावी टीके उपलब्ध हैं। वहीं, हेपेटाइटिस सी का इलाज भी आधुनिक दवाओं से संभव है। इसलिए समय पर जांच, सही इलाज और नियमित चिकित्सा सलाह इस बीमारी को गंभीर होने से रोक सकती है।

2024 में दुनिया भर में करीब 28.7 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी या सी के साथ जी रहे थे। चिंता की बात यह भी है कि इसी वर्ष 13 लाख लोगों की मौत इन दोनों संक्रमणों के कारण हुई

बचाव के लिए कुछ आसान आदतें अपनाना भी बेहद जरूरी है। हमेशा साफ और सुरक्षित पानी पिएं, स्वच्छ भोजन करें, हाथ धोने की आदत डालें और केवल जांचे हुए सुरक्षित रक्त का ही इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इसके अलावा, डॉक्टर की सलाह के अनुसार हेपेटाइटिस ए और बी का टीकाकरण जरूर करवाएं।

बता दें दि विश्व हेपेटाइटिस दिवस नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. बारूक ब्लमबर्ग की जयंती पर मनाया जाता है। उन्होंने हेपेटाइटिस-बी वायरस की खोज की थी और इसी शोध ने इस बीमारी की रोकथाम और टीके के विकास का रास्ता खोला।

प्रियंशी यादव ने बताया कौन है उनका सबसे बड़ा गुरु, कहा 'एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी'

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

प्रियंशी ने कहा, ''मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया।'' अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, ''शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है।''

प्रियंशी ने कहा, ''इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है।''

प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो 'तुझसे है राब्ता दिल में' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के सात नए संदिग्ध मामले सामने आए

कैनबरा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में अधिकारियों ने सोमवार को घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के सात नए संदिग्ध मामलों की पुष्टि होने की जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में अधिकारियों ने सोमवार को घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के सात नए संदिग्ध मामलों की जानकारी दी।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की प्राथमिक उद्योग एवं क्षेत्रीय विकास मंत्री क्लेयर स्क्रिवेन ने पत्रकारों को बताया कि सभी सात संदिग्ध मामले राज्य के दक्षिण-पूर्व स्थित लाइमस्टोन कोस्ट क्षेत्र में पाई जाने वाली ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न (समुद्री पक्षी) प्रजाति में मिले हैं। उन्होंने बताया कि इन सात संदिग्ध मामलों में से पांच एक ही कस्बे में दो दिनों के भीतर सामने आए। सभी सात पक्षियों के नमूनों की शुरुआती जांच स्थानीय अधिकारियों ने की है, जिसके बाद उन्हें आगे की पुष्टि के लिए ऑस्ट्रेलियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिपेयर्डनेस भेजा गया है। वहां यह जांच की जाएगी कि क्या वायरस का स्थानीय स्तर पर प्रसार हुआ है।

यदि इन मामलों की पुष्टि हो जाती है, तो जून के मध्य में ऑस्ट्रेलियाई मुख्यभूमि पर पहली बार इस अत्यधिक रोगजनक वायरस की पहचान होने के बाद देश में एच5एन1 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 27 हो जाएगी।

असफलता भी सफलता का हिस्सा है, कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए : आदिल हुसैन

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। थिएटर से लेकर बड़े पर्दे तक का सफर तय करने वाले अभिनेता आदिल हुसैन ने हमेशा अलग तरह के किरदारों को चुनने की कोशिश की है। हाल ही में अपनी फिल्म 'मैक्स, मिन और म्याऊजाकी' के प्रमोशन के दौरान आदिल हुसैन ने अपनी जिंदगी के उस पहलू पर बात की, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे असफलताओं ने उन्हें टूटने के बजाय बेहतर इंसान और बेहतर कलाकार बनने में मदद की।

आदिल हुसैन ने कहा, ''असफलता किसी इंसान की कमजोरी नहीं होती बल्कि यह इस बात का सबूत होती है कि उसने कुछ करने की कोशिश की है। जिंदगी में सबसे जरूरी बात यह है कि व्यक्ति वही काम करने की कोशिश करे, जिसे उसका दिल सच में करना चाहता है। अगर इंसान किसी सपने को पूरा करने के लिए ईमानदारी से मेहनत करता है, तो रास्ते में आने वाली परेशानियां भी उसे मजबूत बनाती हैं।'' अभिनेता ने कहा, ''बचपन से ही मेरा सपना अभिनेता बनने का था। जब मैं महज 14 साल का था, तभी से अभिनय को लेकर मेरे अंदर जुनून था।

14 साल की उम्र में देखी 'देवदास' और बदल गई जिंदगी

जानें स्वीडन की एली अवराम कैसे बनीं बॉलीवुड की हीरोइन

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री एली अवराम आज इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं लेकिन एक समय ऐसा भी था जब वह भारत से हजारों किलोमीटर दूर स्वीडन में बैठकर हिंदी फिल्मों को देखकर इस दुनिया का हिस्सा बनने का सपना देखा करती थीं। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे अपने भविष्य के बारे में सोच भी नहीं पाते, उसी उम्र में एली ने एक फिल्म देखकर तय कर लिया था कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है।

एली अवराम का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुआ था। उनका पूरा नाम एलिसाबेट अवरामिदू ग्रानलुंड है एली को बचपन से ही डांस, गाने और अभिनय में काफी रुचि थी। उनका भारत और बॉलीवुड से रिश्ता बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह करीब 14 साल की थीं, तब उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' देखी थी।

एचपीवी वैक्सीन से भारत में सर्वाइकल कैंसर पर निर्णायक जीत संभव : पद्म भूषण डॉ. नोरी

वॉशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट दत्तात्रेयडु नोरी ने कहा है कि एचपीवी वैक्सीनेशन से भारत को सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक बढ़त मिल सकती है और आने वाले सालों में इस बीमारी को खत्म करने में मदद मिल सकती है।

भारत में हर दिन सर्वाइकल कैंसर से लगभग 200 महिलाओं की मौत होती है। उन्होंने लड़कियों के लिए मुफ्त एचपीवी वैक्सीनेशन शुरू करने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे रोकथाम के प्रयासों को काफी मजबूती मिल सकती है: डॉ नोरी

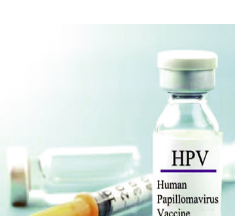

नोरी ने कहा, 'अब एचपीवी वैक्सीनेशन के साथ हम बेहतर स्थिति में हैं और कुछ ही सालों में हम भारत से सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने में सक्षम होंगे।' 2026 में पद्म भूषण पाने वाले नोरी ने सर्वाइकल कैंसर को ऐसी बीमारी बताया जिसे रोका जा सकता है, जिसका पता लगाया जा सकता है और जिसका इलाज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके कारण लगातार हो रही मौतों से ऑन्कोलॉजी में काम करने वाले डॉक्टर बहुत दुखी होते हैं।

उन्होंने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है, इसका पता लगाया जा सकता है, इसका इलाज किया जा सकता है और इसे ठीक किया जा सकता है।'

नोरी ने कहा कि भारत में हर दिन सर्वाइकल कैंसर से लगभग 200 महिलाओं की मौत होती है। उन्होंने लड़कियों के लिए मुफ्त एचपीवी वैक्सीनेशन शुरू करने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे रोकथाम के प्रयासों को काफी मजबूती मिल सकती है। नोरी ने पिछले 12 सालों में भारत के हेल्थकेयर सेक्टर, खासकर कैंसर की रोकथाम और इलाज में हुए बदलावों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव हुए हैं। बहुत सारे महत्वपूर्ण बदलाव, खासकर हेल्थकेयर में।' उन्होंने इस दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना और कैंसर के इलाज की सुविधाओं के विस्तार का जिक्र किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए नोरी ने कहा, 'पहली बार, उन्होंने नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की। पहले हमारे पास ऐसा कुछ नहीं था।' नोरी ने कहा कि भारत ने और भी कैंसर और आउटपेशेंट सेंटर खोले हैं, मरीजों को आर्थिक मदद दी है और बाहर से मंगाई जाने वाली कीमोथेरेपी दवाओं को सस्ता किया है।

उन्होंने कहा, 'कैंसर की देखभाल के मामले में उन्होंने कई अन्य कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। इसलिए मैं उनके सभी योगदानों के लिए वास्तव में उनकी सराहना करता हूं।' नोरी ने भरोसा जताया कि भारत कैंसर की देखभाल के हर क्षेत्र में प्रगति करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत उम्मीद है कि हम भारत में कैंसर का पता लगाने, रोकथाम, स्क्रीनिंग और इलाज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करेंगे।' अपने सफर के बारे में बात करते हुए नोरी ने कहा कि वे लगभग 50 साल पहले अमेरिका आए थे और मेडिसिन और एकेडमिक्स के निचले स्तर से आगे बढ़कर एक आइवी लीग मेडिकल स्कूल में एक विभाग का नेतृत्व करने तक पहुंचे। उन्होंने वॉशिंगटन में मौजूद लोगों से कहा, 'यह सिर्फ अमेरिका में ही मुमकिन है। सिर्फ़ अमेरिका में।'

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

हरजिंदर ने भारत की झोली में डाला सिल्वर, प्रीति, प्रिया और जादुमणि ने पदक किए पक्के

कॉमनवेल्थ गेम्सः भारत के पदकों का मंगल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल का अभियान लगातार मजबूत होता जा रहा है। छठे दिन देर रात हरजिंदर कौर ने वेटलिफ्टिंग में सिल्वर पदक अपने नाम किया। वही प्रीति पवार, प्रिया घनघस और जादुमणि सिंह ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर पदक पक्का किया। पदकों के लिहाज से मंगलवार भारत के लिए शुभ रहा। पांचवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में छह पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। भारत के खाते में फिलहाल दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक हैं। दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि पैरा एथलेटिक्स में शर्मिला धनखड़ ने दिलाई।

उन्होंने महिला शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में भारत की पहली स्वर्ण पदक विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने महिला 48 किग्रा वर्ग में लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था। उन्होंने कुल 190 किलोग्राम वजन उठाया।शर्मिला की कहानी एक गोल्ड मेडल की नहीं है। यह वो हिस्सा है जो पहाड़ पर पा लेने के बादलों से दिख रहा है लेकिन इसकी कहानी हजारों मीलों की है। गरीबी, पोलियो, घरेलू हिंसा और आर्थिक तंगी जैसी कई मुश्किलों से लड़ते हुए उन्होंने आज ये मुकाम हासिल किया है।

खेल ने उनकी जिंदगी बदल दी है और आज वह लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले की रहने वाली हैं। उन्हें दो साल की उम्र में पोलियो हो गया था। वह महिला शॉट पुट और डिस्कस थ्रो की पैरा खिलाड़ी हैं। एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है जिनके निचले अंगों में कमजोरी, कमी या चलने-फिरने में दिक्कत होती है।

11 हो गई है कुल पदकों की संख्या

भारतीय खिलाड़ियों ने छठे दिन देश को बड़ी खुशखबरी दी

शर्मिला ने 34 की उम्र में शुरू किया खेल

शर्मिला ने 34 साल की उम्र में खेलना शुरू किया। 2021 में उन्होंने पैरा नेशनल चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स और 2023 एशियाई पैरा खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं। इसी साल दुबई में हुए फज्जा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने शॉट पुट में गोल्ड और डिस्कस में ब्रॉन्ज जीता।

दृष्टिहीन थीं शर्मिला की मां

शर्मिला का बचपन बेहद गरीबी में बीता। उनकी मां दृष्टिहीन थीं और पिता किसान थे। 19 साल की उम्र में शादी हुई, लेकिन पहली शादी में उन्हें कई साल तक घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। आखिरकार वह अपनी दो बेटियों के साथ मायके लौट आईं और नई जिंदगी शुरू की। दूसरी शादी के बाद उनके पति अजीत सिंह ने उन्हें पैरा खेलों में आने के लिए प्रेरित किया। कोच टेक चंद और देवेंद्र की देखरेख में उन्होंने प्रशिक्षण लिया। आर्थिक तंगी के कारण 2023 में परिवार को रेवाड़ी का अपना घर बेचकर किराए के मकान में रहना पड़ा ताकि उनका खेल जारी रह सके। अब उनका सपना फिर से अपना घर खरीदने का है।

बेटियों के लिए देखती हैं बड़ा सपना

शर्मिला की दो बेटियां भी खेलों से जुड़ी हैं। बड़ी बेटी अंजू अंडर-16 जैवलिन थ्रो खिलाड़ी हैं, जबकि छोटी बेटी लक्ष्मी अंडर-14 हाई जंप में हिस्सा लेती हैं। शर्मिला चाहती हैं कि उनकी बेटियां वह जिंदगी जिएं, जो उन्हें कभी नहीं मिल सकी। उनका मानना है कि खेल बच्चों का भविष्य बदल सकता है।

शिल्पा शायला को मिला ब्रॉन्ज

शिल्पा शायला ने महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनका पदक नाटकीय घटनाक्रम के बाद आया। शिल्पा ने 7.26 मीटर का थ्रो किया था, लेकिन शुरुआती नतीजों में वह चौथे स्थान पर थीं। नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया था। भारत की आपत्ति के बाद अधिकारियों ने नाइजीरियाई खिलाड़ी के थ्रो की समीक्षा की और उनके एकमात्र वैध थ्रो को फाउल करार दिया गया।

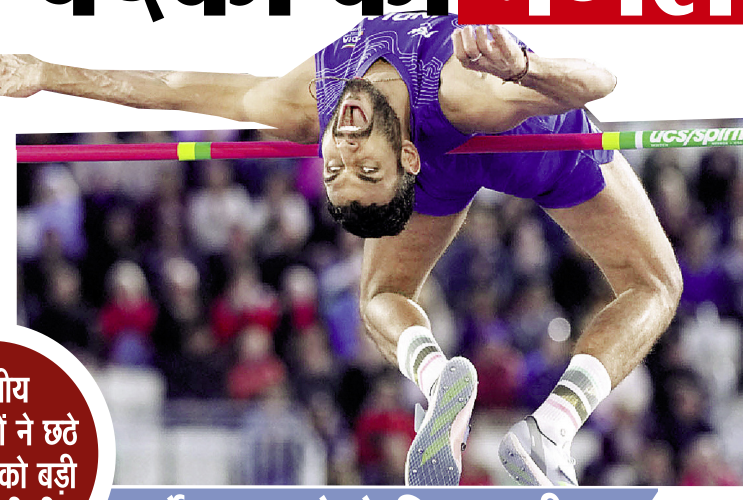

सर्वेश कुशारे ने सिल्वर जीता

भारत के सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स के पुरुष हाई जंप फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 2.25 मीटर की जंप लगाई, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीनों कोशिशें नाकाम रहीं। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने काउंटबैक के आधार पर गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की जंप के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भी सर्वेश शानदार फॉर्म में थे।

हरजिंदर ने भारत की झोली में डाला सिल्वर

वेटलिफ्टिंग के 69 किग्रा वर्ग से भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी आई है। भारतीय स्टार वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया है। क्लीन एंड जर्क राउंड के अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में 126 किग्रा का सफल वजन उठाकर हरजिंदर ने अपना मेडल पक्का किया। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ हरजिंदर कौर ने वेटलिफ्टिंग में भारत का स्वर्णिम अभियान जारी रखा है।

अजय बाबू ने वेटलिफ्टिंग में जीता सिल्वर

अजय बाबू वल्लुरी ने पुरुष 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। आंध्र प्रदेश के इस युवा वेटलिफ्टर ने कुल 330 किलोग्राम वजन उठाया और गोल्ड से महज 1 किलोग्राम पीछे रह गए। मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने 331 किलोग्राम के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता, जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे 325 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीत सके।

एक और उपलब्धि...

प्रीति ने पक्का किया एक और मेडल

बॉक्सिंग के सेमीफाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, आरएनएन। रिंग से भारत के लिए बहुत ही बड़ी और खुशखबरी आई है। महिलाओं के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने नॉर्दर्न आयरलैंड की निकोल क्लाइड को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेलते हुए एकतरफा जीत दर्ज कर ली है। पहले राउंड में 5-0 की बढ़त बनाने के बाद प्रीति ने दूसरे राउंड में भी अपना आक्रामक रुख कायम रखा और उसे भी 5-0 से अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे राउंड में भी अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए उन्होंने मुकाबला आसानी से जीत लिया।इस शानदार जीत के साथ ही प्रीति पवार सेमीफाइनल में पहुँच गई हैं और उन्होंने ग्लासगो में लवलीना बोरगोहेन के बाद भारत के लिए बॉक्सिंग का दूसरा मेडल पक्का कर दिया है। निरुपमा देवी सेरम कॉमनवेल्थ गेम्स के पांचवें दिन भारत को वेटलिफ्टिंग में मेडल नहीं दिला सकी। विमेंस 63 केजी में निरुपमा क्लीन एंड जर्क में तीनों प्रयासों में 123 केजी वजन उठाने में असफल रहीं। इस कारण उन्हें नो मार्क मिला और वह मेडल की दौड़ से बाहर हो गईं।

जादूमणि सिंह का पदक पक्का

भारतीय मुक्केबाज जादूमणि सिंह ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की है। जादूमणि ने पुरुष 55 किग्रा में जांबिया के खिलाड़ी मवेंगो मवाले को सर्वसम्मत फैसले में हराया। इस तरह जादूमणि ने भी पदक पक्का कर लिया है। मुक्केबाजी में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं।

मेडल पक्का...

प्रिया घनघस ने भी अपना मुकाबला जीतकर पदक किया पक्का

हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी, 18.74 करोड़ मंजूर

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल में

अक्टूबर में किया जाएगा प्रतियोगिता का आयोजन, भोपाल में जुटेंगी 6 देशों की खिलाड़ी

● भोपाल / (एजेंसी)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में आगामी अक्टूबर में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी-2026 के भोपाल के बरखेड़ा नाथू में स्थित अन्तरराष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स में आयोजन के लिए संभावित व्यय राशि 18 करोड़ 74 लाख रुपए की मंजूरी दी गई।

हॉकी इंडिया को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा देश में हॉकी खेल का संचालन, प्रोत्साहन और अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अधिकृत किया गया है। प्रतियोगिता वर्ष 2010 से निरन्तर 2 वर्ष के अन्तराल में आयोजित की जा रही है। महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 में एशिया की प्रमुख 6 महिला टीमों (भारत, चीन, जापान, मलेशिया, साउथ कोरिया, एवं थाईलैंड) के लगभग 200 खिलाडी और सपोर्ट स्टफ के शामिल होने की संभावना है।

खास बातें...

- बरखेड़ा नाथू स्थित अन्तरराष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स में आयोजन। लगभग 200 खिलाडी और सपोर्ट स्टाफ के शामिल होने की संभावना।
- पेजेंटिंग पार्टनर राइट्स के लिए 11 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभाग दवारा 7 करोड़ 74 लाख रुपए खर्च होंगे।

हॉकी इंडिया व खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा होगा आयोजन

यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हॉकी इण्डिया और खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी। अनुबंध अनुसार हॉकी इण्डिया को खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा पेजेंटिंग पार्टनर राइट्स के लिए 11 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभाग दवारा 7 करोड़ 74 लाख रुपए खर्च होंगे। इस प्रकार आयोजन पर लगभग 18 करोड़ 74 लाख रुपए का व्यय होना संभावित है।

जस्टिन ग्रीव्स ने लगातार 5 विकेट मेडन ओवर फेंके

त्रिनिदाद / राज न्यूज नेटवर्क। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया गया। कैरेबियाई तेज गेंदबाज जस्टिन ग्रीव्स ने वह कारनामा कर दिखाया जो टेस्ट क्रिकेट के 150 से भी ज्यादा सालों के लंबे इतिहास में आज तक कोई गेंदबाज नहीं कर सका था।

तीसरे दिन के खेल के दौरान ग्रीव्स ने लगातार 5 ओवरों में 5 विकेट मेडन फेंककर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। इस ऐतिहासिक स्पेल के साथ ही उन्होंने अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल भी पूरा किया। जस्टिन ग्रीव्स ने लंच के ब्रेक के आगे-पीछे किए गए इस करिश्माई स्पेल में पाकिस्तान के बल्लेबाजों को टिकने तक का मौका नहीं दिया। उन्होंने लगातार 5 ऐसे ओवर फेंके जिनमें एक भी रन नहीं बना और हर ओवर में एक विकेट मिला। इसी के साथ उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के 4 लगातार विकेट मेडन ओवरों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो ब्रॉड ने 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था।

फुटबॉल के मैदान पर धमाल मचाएंगे एक्टर टाइगर श्राफ

36 साल के बॉलीवुड स्टार की मुंबई एफसी में एंट्री

● मुंबई / (एजेंसी)

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ जल्द ही प्रोफेशनल फुटबॉल के मैदान पर खेलते हुए नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर का नाम मुंबई एफसी की 135वें डूरंड कप के लिए घोषित टीम में शामिल किया गया है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो वह एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप में अपना डेब्यू कर सकते हैं। टाइगर पिछले कई महीनों से मुंबई एफसी के साथ नियमित अभ्यास कर रहे हैं।

टीम 30 जुलाई को अपने ग्रुप मुकाबलों के लिए शिलॉन्ग रवाना होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक टाइगर के 11 अगस्त को होने वाले ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मैदान पर उतरने की संभावना सबसे ज्यादा है। मुंबई एफसी के संस्थापक जोहेब ने भी टाइगर श्रॉफ के डूरंड कप में खेलने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि टाइगर का टीम में ऑफिशियली रजिस्ट्रेशन हो चुका है और

क्लब उन्हें एक मैच में उतारने की पूरी कोशिश कर रहा है। हालांकि, उनकी लोकप्रियता के कारण सुरक्षा व्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। जोहेब ने कहा कि टाइगर का नाम टीम में दर्ज है और हम सभी जरूरी तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों में उनके लिए अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत होगी। उनके आने पर भारी भीड़ जमा हो सकती है और स्थिति अव्यवस्थित हो सकती है। सोशल मीडिया के दौर में छोटी-सी घटना भी बड़ा मुद्दा बन सकती है। उन्होंने आगे बताया कि क्लब को टाइगर से एक संभावित तारीख मिल चुकी है।

---

12 साल बाद टीम इंडिया में मप्र के सारांश जैन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय टेस्ट टीम में पहली बार जगह बनाने वाले मध्य प्रदेश के 33 वर्षीय ऑलराउंडर सारांश जैन की कहानी सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि संघर्ष, त्याग और पिता के अधूरे सपने के पूरे होने की मिसाल है।

साल 2014 में सारांश ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे। उसी दौरान उनके पिता और पहले कोच सुबोध जैन को मुंह के कैंसर का पता चला। परिवार ने जानबूझकर यह बात उनसे छिपाई, ताकि उनका ध्यान क्रिकेट से न भटके। ऑस्ट्रेलिया से लौटने पर जब सारांश ने पिता को देखा तो बड़ी सर्जरी के कारण वह बोलने की स्थिति में नहीं थे। उस वक्त सुबोध जैन ने बेटे को एक पर्ची थमाई, जिस पर लिखा था- बेटा, तुम जितना अच्छा खेलोगे, मैं उतनी जल्दी ठीक हो जाऊंगा।

यही शब्द सारांश के जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा बन गए। करीब 12 साल बाद मंगलवार को जब श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान हुआ, तो सारांश जैन का नाम पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल था।

कैंसर से जूझ रहे पिता की पर्ची बनी बेटे की ताकत...

घोषणा के समय हनुमान मंदिर में कर रहे थे पूजा

संयोग यह रहा कि चयन की घोषणा के समय वह हमेशा की तरह हनुमान मंदिर में पूजा कर रहे थे। मंदिर से बाहर निकलते ही उन्हें टीम इंडिया में चयन की खबर मिली। सारांश का सफर आसान नहीं रहा। रणजी ट्रॉफी के डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन किया। दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं का भरोसा जीता। हाल ही में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका दौरे पर भी उन्होंने छह विकेट लेने के साथ नाबाद 70 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की।

बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के हैं ऑफ स्पिनर

बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने अब तक 54 प्रथम श्रेणी मैचों में 188 विकेट लेने के साथ 2,223 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 14 अर्धशतक भी दर्ज हैं। सुबोध जैन स्वयं मध्य प्रदेश के लिए रणजी क्रिकेट खेल चुके हैं, लेकिन भारत का प्रतिनिधित्व करने का उनका सपना अधूरा रह गया था। अब बेटे के टीम इंडिया में चयन के साथ उनका वह सपना भी पूरा हो गया है। सारांश जैन का चयन सिर्फ एक क्रिकेट उपलब्धि नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि संघर्ष, धैर्य और परिवार का विश्वास किसी भी सपने को साकार कर सकता है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और सारांश जैन।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

पहला टेस्ट	दूसरा टेस्ट
15-19 अगस्त, गॉल	23-27 अगस्त, कोलंबो

मप्र के बेटे पर रहेगी खास निगाहें

टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, आरएनएन। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव हुआ है। सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि फील्डिंग कोच टी. दिलीप का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। रयान टेन डोशेट ने जुलाई 2024 में भारतीय टीम के सहायक कोच का जिम्मा संभाला था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड दौरे के बाद उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपना इस्तीफा सौंप दिया। पूर्व नीदरलैंड्स कप्तान करीब दो साल तक टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रहे। बताया जा रहा है कि उन्होंने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टेन डोशेट एक बार फिर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के सपोर्ट स्टाफ से जुड़ सकते हैं। इससे पहले भी वह गौतम गंभीर के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं। वहीं, फील्डिंग कोच टी. दिलीप का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। नवंबर 2021 में राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच बनने के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम की फील्डिंग में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। मैच के बाद खिलाड़ियों को दिए जाने वाले बेस्ट फील्डर मेडल की पहल भी काफी लोकप्रिय रही।

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाक से जीती वनडे सीरीज

नई दिल्ली, आरएनएन। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में 8 विकेट से हराकर अपनी पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत ली है।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह पिछले 24 साल में पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
159 = 5	590 = 4
800 = 8	228 = 2
शुभांक	
दिन	रात
589 = 2	235 = 0
899 = 6	349 = 6
भाग्यांक	
0 3 5 8	
www.kalyangame.com	

सुनिधि के लिए नहीं रियलिटी शो

सुनिधि चौहान बॉलीवुड की सबसे चर्चित गायिकाओं में से एक हैं। गायिकी के अलावा वह कई सिंगिंग रियलिटी शोज को भी जज कर चुकी हैं। उनके फैंस जानना चाहते हैं कि उन्होंने शोज को जज करना क्यों छोड़ दिया है? इस पर गायिका ने बात की है।

सुनिधि चौहान ने शेखर टुनाइट शो में रियलिटी शोज को छोड़ने को लेकर कहा 'मैं बहुत लंबे समय तक इसका हिस्सा रही। लेकिन फिर मैंने इसे छोड़ दिया क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी जगह नहीं है।'

सुनिधि ने जताया एतराज

उन्होंने कहा यह बहुत दुखद बात है। पहले, ऑटो-ट्यून या मेलोडाइन का इस्तेमाल गानों में किसी खास इफेक्ट के लिए किया जाता था। लेकिन आप ऐसा रियलिटी शो में नहीं कर सकते, जहां आपको पूरी तरह से असली और बातचीत इस ओर भी बढ़ी कि लाइव परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर्स को कभी-कभी किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शेखर ने केके और सोनू निगम जैसे आर्टिस्ट्स से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया और सुनिधि से पूछा कि क्या उन्हें कभी स्टेज पर अपमानजनक या असहज व्यवहार का सामना करना पड़ा है। इस पर सुनिधि ने कहा 'मैं बहुत किस्मत वाली हूं क्योंकि आज तक मेरे साथ ऐसा बर्ताव नहीं हुआ है।'

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई

रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। बातचीत में माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, ''राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।'' उन्होंने कहा, ''दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।'' माधुरी ग्रोवर ने बताया कि राम कपूर के साथ उनकी बातचीत सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके अनुभवों से सीखने की कोशिश करती थीं। उन्होंने राम कपूर को इंडस्ट्री का अनुभवी कलाकार बताते हुए कहा कि उनके पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। बता दें कि माधुरी ग्रोवर 'लॉक अप: सच या सजा' के दूसरे सीजन से बाहर होने वाली हालिया कंटेस्टेंट हैं। शो के दौरान उनकी और राम कपूर की बातचीत दर्शकों को काफी पसंद आई थी। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस रियलिटी शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं।

नैना सरीन ने बताया 'राख' में पारसी किरदार निभाने के लिए कैसे की तैयारी

अभिनेत्री नैना सरीन इन दिनों अपनी सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक पारसी महिला का किरदार निभाया है, जिसकी तैयारी को लेकर उन्होंने अपना अनुभव साझा किया है।

ऑडिशन और किरदार की तैयारी

नैना ने बताया कि जब उन्हें इस सीरीज 'राख' के लिए ऑडिशन का बुलावा आया, तो उनका सीन काफी छोटा था। इसके बावजूद उन्हें समझ आ गया था कि यह किरदार कहानी के लिए बहुत जरूरी है। रोल को पूरी सच्चाई से निभाने के लिए उन्होंने पारसी बोलने के तरीके से लकर पहनावे तक का ध्यान रखा।

बोलने और पहनावे का खास तरीका

नैना ने सीरीज 'राख' के लिए पारसी लोगों के बोलने के अंदाज को समझने के लिए कई वीडियो देखे। इसके अलावा उन्होंने पहनावे पर भी ध्यान दिया। चूंकि यह कहानी पुराने दौर पर आधारित है, इसलिए वह ऑडिशन देने भी उसी जमाने के कपड़ों में गईं।

शूटिंग के दौरान आई कई चुनौतियां

नैना के अनुसार, इस रोल के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। सीन्स को बेहतरीन बनाने के लिए कई बार रीटेक लेने पड़े, जिसमें काफी ऊर्जा लगती थी। हर बड़े सीन की शूटिंग से पहले वह डायरेक्टर और अपने को-एक्टर्स के साथ मिलकर सीन को अच्छे से समझती थीं। सेट पर एक इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर भी मौजूद थे, जिन्होंने शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा।

'राख' सीरीज के बारे में

इस सीरीज में नैना सरीन के अलावा अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर जैसे बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। यह पूरे 8 एपिसोड वाली एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है।

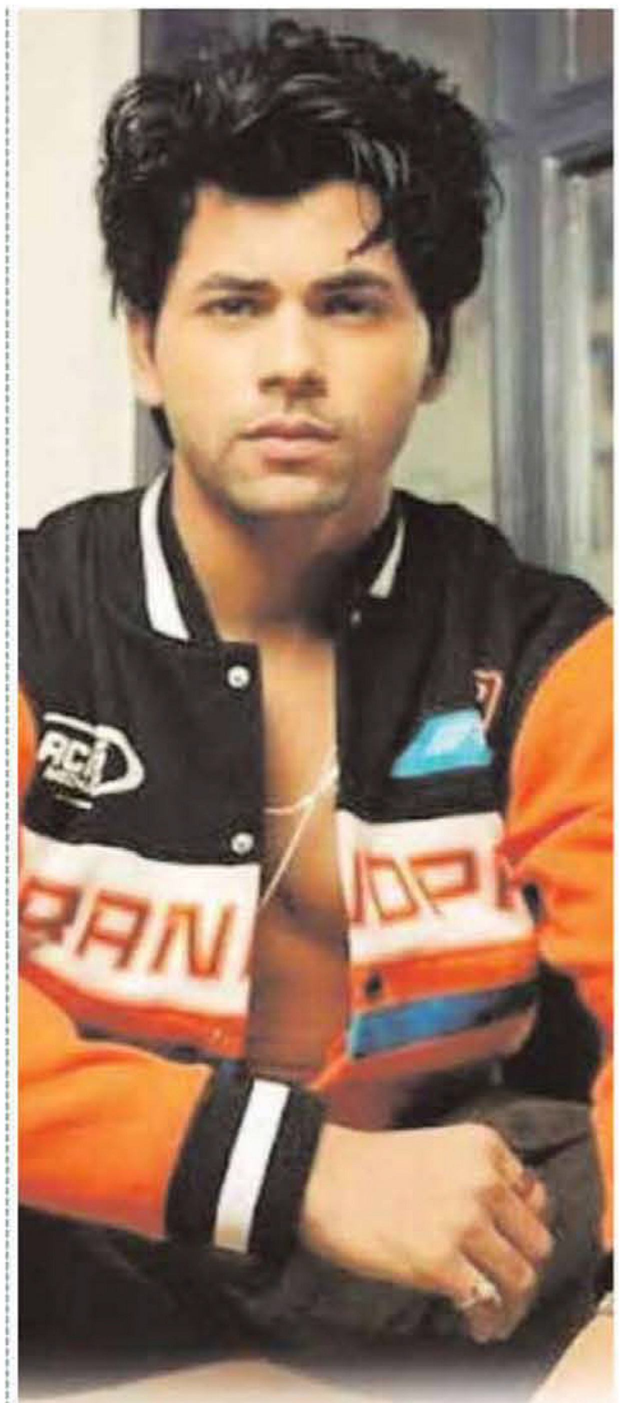

ऋतिक रोशन से प्रेरणा लेकर निभाया 'गुल्लक-5' में डॉ. पृथ्वी का किरदार

अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा टीवीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक -5' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीजन में उन्होंने डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका को लेकर अभिनेता ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार से प्रेरणा (सीख) लेने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, 'निर्देशक अभय राउत ने मुझे इस किरदार को निभाने के लिए बहुत आसान निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार के अंदाज और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना, लेकिन उसकी नकल बिल्कुल नहीं करनी है।

अभिनेता ने कहा, 'डॉ. पृथ्वी दत्ता अपने काम को लेकर बेहद गंभीर और हमेशा नंबर 1 बनने की कोशिश करता है, लेकिन अपनी इसी महत्वांकाक्षा का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ता है, जैसा कि 'गुल्लक 5' के आखिरी एपिसोड में देखने को मिलता है।' एक्टर ने बताया कि कई स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन ने उन्हें लिखे हुए सीन से आगे डॉ. पृथ्वी की पर्सनैलिटी को समझने में मदद की। उन्होंने कहा, 'कई बार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद समझ में आया कि मेरा किरदार साफ-सफाई और सेहत को लेकर काफी सजग है। इस वजह से पहले सीन में अनु (अनंत जोशी द्वारा निभाया गया किरदार) से बात करते हुए मेरा डायलॉग आता है, 'यार, हाथ तो धो लिए हैं, लंच के बाद ही हाथ मिलाते हैं।'

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार की इसी खासियत को आजमाते हुए एक लाइन जोड़ी, जो स्क्रिप्ट में नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैंने जोड़ा था कि पृथ्वी, डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलता है, ताकि उसे कीटाणु न लगें। वह इसी अंदाज और सोच के साथ केबिन में आता है और पूरे सीन में यह बात नजर आती है। वहीं, पृथ्वी और डॉ. प्रीति एक-दूसरे से अलग होते हैं। पृथ्वी अपनी फिटनेस और सेहत को लेकर इतना सजग है, तो डॉ. प्रीति छोले-भटूरे और समोसे देखकर खुश हो जाती हैं।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था, आज उसी फैसले पर गर्व है

एक वक्त था, जब ज्यादातर लोग राघव जुयाल को डांसर, एंकर या टीवी चेहरे के तौर पर जानते थे। फिर साल 2024 में आई फिल्म 'किल'। इसमें निभाए उनके किरदार ने न सिर्फ ऑडियंस को चौंकाया, बल्कि इंडस्ट्री को भी उन्हें नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर दिया। अब राघव पहली बार फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में लीड हीरो बनकर बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। हालांकि, इस पूरे सफर में अगर कोई चीज उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह माता-पिता के चेहरे पर दिखने वाला गर्व है। बातचीत में राघव ने अपने 16 साल लंबे संघर्ष, 'किल' के बाद बदली पहचान, मलयालम अभिनेता फहाद फासिल के मैसेज, पहली लीड फिल्म और परिवार के साथ जुड़ी भावुक यादों पर खुलकर बात की।

'किल' के बाद पहली बार लगा कि लोगों की नजर बदल गई

राघव कहते हैं कि संघर्ष उन्होंने पहले भी किया था, लेकिन 'किल' के बाद पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। 'जब आप एक कदम आगे बढ़ते हो तो सबको प्रूव करना पड़ता है। मां-बाप को भी और इंडस्ट्री को भी। मुझे भी प्रूव करना पड़ा। 'किल' के बाद मेरे लिए लोगों का परसेप्शन रातों-रात बदल गया। ऐसा बदलाव मैंने अपने एक्सपीरियंस में पहले कभी नहीं देखा था। कपिल शर्मा भाई ने भी मुझसे कहा था कि 'जो परसेप्शन चेंज तू कर रहा है, वो बहुत अलग है।' टीवी इंडस्ट्री के जितने भी लोग थे, सबने फोन किया। सब कह रहे थे कि पता नहीं क्यों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि हमने भी ये क्रैक कर दिया। वो इमोशन मेरे लिए बहुत बड़ा था।'

16 साल तक साइड में रहा, लेकिन खुद पर भरोसा नहीं छोड़ा

राघव मानते हैं कि उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत टैलेंट से पहले आत्मविश्वास रहा। 'यही चीज मुझे मोटिवेट करती रही कि मैं हमेशा अपने ऊपर भरोसा करता रहा। इतने साल साइड में रहा, लेकिन मेरे अंदर से कभी ये चीज नहीं गई कि मुझे यही बनना है। मैं कभी मीडियोकर माइंडसेट में नहीं रहा। 16 साल बहुत लंबा वक्त होता है, लेकिन जब तुम अंदर से सोच लेते हो कि तुम यही हो, तो धीरे-धीरे बाहर भी वही होने लगता है।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था

राघव बताते हैं कि जब उन्होंने टीवी छोड़कर फिल्मों पर दांव लगाया, तब यह फैसला आसान नहीं था। 'जब मैं देहरादून से मुंबई आया था, तब मम्मी-पापा को भी नहीं पता था कि यहां क्या होगा। उस समय उनका सपोर्ट वैसा नहीं था, क्योंकि उन्हें इस दुनिया की समझ नहीं थी। लेकिन बाद में जब मैंने टीवी छोड़ने का रिस्क लिया, तब मैं खुद हैरान था कि वो मेरे साथ खड़े रहे। पैसे भी खत्म होने लगे थे, फिर भी उन्होंने मेरा साथ नहीं छोड़ा।

आज वो सबसे ज्यादा खुश हैं। रोज लोगों को बताते हैं कि फिल्म आ रही है।' उनके चेहरे की खुशी देखकर लगता है कि 16 साल की मेहनत आखिर रंग ले आई।'

अब बारी लोगों को हंसाने की......

संघर्ष और सफलता की बातें करने के बाद राघव अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' पर आते हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का नाम भी आम बोलचाल की उसी भाषा से निकला है, जो छोटे शहरों की पहचान है। 'फिल्म का टाइटल 'भाई तेरा स्टार है' है। हर शहर में हर कोई अपने लेवल का एक स्टार होता है। एक कहने की बात होती है- 'अरे भाई, तेरा स्टार है... मैं कर दूंगा।' छोटा सा भी काम हो तो लोग बोल देते हैं- 'अरे भाई, तेरा भाई स्टार है यार, मैं कर दूंगा... टेंशन मत ले।' बस वहीं से यह टाइटल आया।

फिल्म में मेरा किरदार अजय अपने आपको बहुत कमाल का एक्टर समझता है, लेकिन असल में वह बिल्कुल टैलेंटेड नहीं है। बहुत खराब एक्टिंग करता है और सोचता है कि आगे जाकर बहुत बड़ा सुपरस्टार बनेगा। पैसों के चक्कर में फंस जाता है और फिर हर जगह अपनी खराब एक्टिंग से बचने की कोशिश करता है। यही उसकी सबसे बड़ी कॉमेडी है।'

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
.Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
.Assured Gifts upto ₹12448/-
.Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630